केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 217 मंगलवार 27 फरवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

रेलवे के कायाकल्प के लिये पीएम मोदी ने किया शिलान्यास, उद्घाटन

नई दिल्ली (आभा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत वर्चुअल माध्यम से 41 हजार करोड़ रुपए की लागत से देशभर के 554 रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प और 1500 रोड ओवर ब्रिज, अंडरपास का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। इसमें 74 रेलवे स्टेशन और 267 रोड ओवर ब्रिज, अंडरपास उत्तर प्रदेश के हैं, जिनका पुनर्विकास एवं निर्माण किया गया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि रेल की गति तेज होगी, तो समय बचेगा। भारतीय रेल यात्री सुविधा ही नहीं है, बल्कि देश की खेती और औद्योगिक प्रगति का भी सबसे बड़ा वाहक है।

पीएम मोदी ने कहा कि हमारी रेल, छोटे किसानों, छोटे कारीगरों, हमारे विश्वकर्मा साथियों के उत्पादों को बढ़ावा देने वाली है। इसके लिए वन स्टेशन वन प्रोडक्ट योजना के तहत स्टेशन पर विशेष दुकानें बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि जिन सुविधाओं की देशवासी कल्पना करते थे, लोगों को लगता था कि काश ये भारत में होता, वही आज हम आंखों के सामने होते देख रहे हैं। बीते 10 वर्षों में हम सभी ने एक नया भारत बनते देखा है और रेलवे में तो परिवर्तन साक्षात दिखाई देने लगा है।

वहीं इस कार्यक्रम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने सरकारी आवास से वर्चुअली जुड़े। उन्होंने एक्स पर पीएम मोदी को धन्यवाद ज्ञापित। सीएम योगी ने लिखा 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में 'नए भारत' की 'प्रगति की रेल' तीव्र गति से गतिमान है। उसी क्रम में प्रधानमंत्री द्वारा पुनर्विकसित गोमती नगर रेलवे स्टेशन के साथ ही, देश भर की 2,000 से अधिक रेल अवसंरचना परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास संपन्न हुआ। आमजन के जीवन को सुगम बनाती इन सौगातों के लिए हार्दिक आभार प्रधानमंत्री जी!।

'चिट्ठी आई है' गाने वाले पंकज उधास के निधन से शोक की लहर

मुम्बई (आभा)। दिग्गज गजल गायक पंकज उधार नहीं रहे। 72 साल की उम्र में उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। 26 फरवरी की सुबह पंकज उधास ने अंतिम सांस ली। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। पिछले कुछ दिनों से उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। सोमवार सुबह 11 बजे मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में उनका निधन हुआ। उनकी मौत ने प्रशंसकों को हिला दिया और पूरे बॉलीवुड में जैसे मातम सा पसर गया। सोशल मीडिया पर सेलिब्रिटीज से लेकर फैन्स तक शोक व्यक्त कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंकज उधास के निधन पर शोक जताया है। प्रधानमंत्री ने लिखा, 'हम पंकज उधास जी के निधन पर शोक व्यक्त करते हैं, जिनकी गायकी कई तरह की भावनाओं को व्यक्त करती थी और जिनकी गजलें सीधे आत्मा से बात करती थीं। वह भारतीय संगीत के एक प्रकाश स्तंभ थे, जिनकी धुनें पीढ़ियों से चली आ रही थीं।

उनका का जन्म 17 मई 1951 को गुजरात के जीतपुर में हुआ था. उनके पिता किसान थे. दोनों भाई भी सिंगर थे. पंकज बहुत सिंपल लाइफ जीते थे. साल 2006 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया था. पर्सनल लाइफ की बात करें तो, पंकज ने फारिदा से शादी की. उनकी तीन बेटियां हैं.

विकास में समाजसेवी संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण–हरीश द्विवेदी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भाजपा की ओर से अटल बिहारी वाजपेयी प्रेक्षागृह के सभागार में समाजसेवी एनजीओ संचालित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के लिए शक्ति वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में सांसद हरीश द्विवेदी शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने की। कार्यक्रम का संचालन संयोजक रामचरन चौधरी ने किया। जिले के सैकड़ों सामाजिक संगठनों व एनजीओ ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। सांसद हरीश द्विवेदी ने सभी सामाजिक संस्थाओं का हार्दिक वंदन व अभिनंदन किया। इस दौरान दस वर्षों में हुए बदलावों पर नौ मिनट की फिल्म भी दिखाई गई। उन्होंने कहा कि देश में सामाजिक संस्थाएं एक बड़ी अहम भूमिका निभा रही है। अपने लिए तो सभी जीते हैं लेकिन सामाजिक संस्थाएं समाज के लिए जीती हैं। कार्यक्रम में समाजसेवी एनजीओ संचालित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को भाजपा नेताओ द्वारा उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, एनजीओ प्रकोष्ठ के संयोजक भानु प्रकाश मिश्र, रोली सिंह, प्रत्युष विक्रम सिंह, अमृत कुमार वर्मा उपस्थित रहे।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहाँ हम महिलाओं के हितों के लिए काम करते रहेंगे और जो भी योजनाएं होंगी, वह महिलाओं तक बीजेपी सरकार जरूर पहुंचाती रहेगी। कार्यक्रम में सैंकड़ों की संख्या में समाजसेवी एनजीओ संचालित स्वयं सहायता समूह की महिलाएं मौजूद रही।

दिव्यांगों में सहायक उपकरणों का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

भानपुर (बस्ती) । हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (हुडको) कानपुर के सहयोग से ब्लॉक मुख्यालय सल्टौआ गोपालपुर पर दो दिवसीय सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सांसद हरीश द्विवेदी ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन करके सहायक उपकरण वितरण शिविर का शुभारंभ किया। कहा कि दिव्यांग जनों को सहायक उपकरण व अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराकर दिव्यांग जनों को राष्ट्र के विकास की मुख्य धारा में शामिल करने का मोदी एवं योगी का सपना साकार हो रहा है।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी ने कहां कि अब दिव्यांगता अभिशाप नहीं रह गया है। डबल इंजन की सरकार इन्हें अवसर देकर आगे बढ़ा रही है. शिविर में विकास खंड रुधौली, रामनगर एवं सलटउवा गोपालपुर के दिव्यांग जनों को सहायक उपकरण वितरण किया जा रहा है। शिविर में ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर,कान की मशीन, बैसाखी ब्रेल किट, मोटर राइज ट्राई साइकिल, सीपी चेयर आदि उपकरण का दिए गए. ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि दुष्यंत विक्रम सिंह ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया, इस मौके पर हुड़को के अवर प्रबंधक चंदन कुमार चाँद. सहायक अनुपम पाल. कामरान रिजवी. दीपक दुबे अमित कुमार अजय कुमार तिवारी आनंद कुमार सिंह तथा भाजपा मंडल अध्यक्ष रामनिवास गिरी. दुर्गेश मणि. मो शमीम. डीआरसी के साइकोलॉजिस्ट राधेश्याम चौधरी.सुनील यादव. शिव मूर्ति विजय श्रीवास्तव व दिव्यांग जनों हेतु कार्यरत लोकल लेवल कमेटी के सदस्य बाल केश चौधरी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

कांग्रेस सत्ता में आयी तो वापस होगी अग्निवीर योजना

नई दिल्ली (आभा)। कांग्रेस ने सत्ता में वापस आने पर अग्निपथ योजना को समाप्त करने का ऐलान किया है। मुख्य विपक्षी दल की ओर से सोमवार को कहा गया कि सशस्त्र सेवाओं में भर्ती के लिए पुरानी प्रक्रिया लागू होगी। वहीं, भारतीय रेल के साथ स्वार्थ भरा व्यवहार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्ववर्ती यूपीए सरकार पर निशाना साधा। साथ ही उन्होंने वर्तमान सरकार में बदलते रेलवे के स्वरूप से रूबरू कराते हुए बताया कि कैसे रेलवे के प्रोजेक्ट्स आज रोजगार की गारंटी बनते जा रहे हैं।

पशुपालक जागरूकता गोष्ठी में दिया जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बस्ती। पशुओं की सेहत ठीक रखने के लिए तीन माह के अंतराल पर अंतः परजीवी नासक दवा खिला देना चाहिए ।इस बात की जानकारी डिप्टी सीवीओ भानपुर डॉ बलराम चौरसिया ने बरगदही में आयोजित पशुपालक जागरूकता गोष्ठी में दी। उन्होंने बताया कि पशुओं के शरीर के अंदर पेट, आंत, लीवर, फेफडे, व गुर्दो आदि में विभिन्न प्रकार अंतः परजीवी कीड़ी पाए जाते हैं, जो किसी न किसी प्रकार से पशु को हानि पहुंचाते हैं। इनके कारण पशु का स्वास्थ्य प्रभावित होता है और उत्पादन भी कम हो जाता है। इन परजीवियों से बचाव के लिए पशु स्वास्थ्यवर्धक औषधि पशु अस्पताल पर पर्यॉपत मात्रा में निःशुल्क उपलब्ध है।

उन्होंने बताया कि क्षेत्र के पशुपालक भाई समय समय पर पशु चिकित्सक की सलाह से दवा पशुओं को दे दिया करें जिससे पशु स्वस्थ रहें और अपेक्षित उत्पादन भी मिलता रहे।

शिविर में 45 पशुओं के लिए स्वास्थ्य संबंधित औषधि का वितरण निःशुल्क किया गया। इस मौके पर डॉ संतोष कुमार श्रीवास्तव, रामप्रताप, निर्मला, किशलावती, श्रीराम, आनन्द, विनीता, दीनानाथ, राजेन्द्र, प्रमोद आदि मौजूद रहे।

कार्यशाला 27 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कृषि उत्पादक संगठन (एफपीओ) की मण्डल स्तरीय कार्यशाला मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में 27 फरवरी को 11.00 बजे से आयुक्त सभागार में आयोजित की जायेंगी। उक्त जानकारी संयुक्त कृषि निदेशक अविनाश चन्द्र तिवारी ने दी है। उन्होने बताया कि यूपी एफपीओ शक्तिपोर्टल पर बस्ती में 20, संतकबीर नगर में 10 तथा सिद्धार्थनगर में 20 एफपीओ प्रतिभाग करेंगे।

पौने दो करोड़ की लागत से संवरेगी पेयजल व्यवस्था

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शहर में पेयजल व्यवस्था सुधारने के लिये नगर पालिका क्षेत्र में नई पाइप लाइन बिछाने के साथ ही जरूरी संसाधन खरीदे जाएंगे। नये भवन का भी निर्माण कराया जाएगा। जलकल अनुभाग ने पौने दो करोड़ रुपये की कार्ययोजना बनाकर अनुमोदन के लिए भेजा है।

शहरी क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था की जिम्मेदारी जलकल पर है। करीब 20 हजार कनेक्शन वितरित किए गए हैं। शहर वासियों को पेयजल आपूर्ति के लिए 22 ट्यूबवेल संचालित किए जा रहे हैं। अक्सर यह समस्या आती है कि तकनीकी खामियों के कारण शेड्यूल के अनुसार पेयजल आपूर्ति नहीं हो पाती है। इससे नागरिकों को काफी समस्याएं झेलनी पड़ती है। इन समस्याओं को कम करने के लिए जरूरी कार्य के लिए प्रस्ताव तैयार करके अनुमोदन के लिए भेजा गया है। इसमें नलकूपों पर नये स्टार्टर लगाए जाएंगे, जो ऑटोमेटिक होंगे।

नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने बताया कि जलकल अनुभाग में पेयजल व्यवस्था में सुधार के लिए कार्ययोजना बनाकर भेज दिया गया है। स्वीकृति मिलते ही खरीदारी और नये कार्य शुरू करा दिये जाएंगे।

पेपर लीक मामले को लेकर आम आदमी पार्टी ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोमवार को आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा के नेतृत्व में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को तीन सूत्रीय ज्ञापन भेजा।

भेजे ज्ञापन में यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा और समीक्षा अधिकारी पेपर लीक की जांच हाईकोर्ट की निगरानी में कराये जाने, पेपर लीक के सभी दोषियों को गिरफ्तार किये जाने, यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा एक माह के भीतर कराये जाने, भविष्य में कोई पेपर लीक न होन इसे सुनिश्चित किये जाने आदि की मांग शामिल है। ज्ञापन देने के बाद प्रदेश सचिव महेश राव ने कहा कि पेपर लीक की घटनायें प्रदेश के बेरोजगार युवाओं के सपनों पर कुठाराघात है। शीघ्र एक माह के भीतर परीक्षायें सुनिश्चित करायी जाय। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से कुलदीप जायसवाल, चन्द्रभान कन्नौजिया, राम सजन सूर्यवंशी, मिथलेश भारती, वीरेन्द्र यादव, शिवाजी पासवान, प्रेमचन्द्र चौधरी, राकेश कुमार गुप्ता, मिथलेश भारती के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

गवाह को जान से मारने की धमकी एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के रेवली निवासी अनीस अहमद ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर अपने जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है। एसपी को दिये पत्र में अनीस अहमद ने कहा है कि मुण्डेरवा थाना क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर शमसुद्दीन पुत्र निजामुद्दीन उसे लगातार जान से मार देने की धमकी दे रहा है। शमसुद्दीन गौ हत्या के मामले में जेल जा चुका है। अनीस अहमद इस मामले में गवाह है। शमसुद्दीन धमकी दे रहा है अगर उसने मुकदमें में गवाही दिया तो पूरे परिवार को जान से मार दूंगा।

अनीस अहमद ने पत्र में कहा है कि शमसुद्दीन कई अधिकारियों के यहां एसी बनाने का काम करता है और अधिकारियों के यहां आता जाता रहता है। वह पूर्व में भी उसे और उसके परिवार को धमकी दे चुका है। अनीस अहमद ने अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाते हुये शमसुद्दीन के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है।

डीएम के आदेश के बावजूद नहीं हटा बंजर भूमि से कब्जाः लेखपाल पर मनमानी का आरोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जन सुनवाई में जिलाधिकारी के निर्देश के बावजूद बंजर भूमि से कब्जा नहीं हटाया जा रहा है। इस सम्बन्ध में कप्तानगंज थाना क्षेत्र के मानपुर निवासी वरूण तिवारी ने उच्चाधिकारियों को पत्र भेजकर बंजर जमीन से अवैध निर्माण हटवाने की मांग किया है।

जन सुनवाई और उच्चाधिकारियों को भेजे रजिटर्ड पत्र में वरूण तिवारी ने कहा है कि कप्तानगंज विकास खण्ड क्षेत्र के बनहा ग्राम पंचायत के तहत मानपुर निवासी बुद्धिराम, मुन्नीलाल, पुत्रगण लुटावन ने खाता संख्या 149 एवं 150 जो अभिलेखों में बंजर एवं सार्वजनिक उपयोग की भूमि है उस पर बिना पट्टे के हल्का लेखपाल राम सुमेर की मिलीभगत से कब्जा कर लिया है और मकान बनवाने जा रहा है। उसने रास्ते में गड्ढा खनवा दिया है जिससे आवागमन में असुविधा हो रही है। वरूण तिवारी इसकी शिकायत जन सुनवाई में भी किया। जिलाधिकारी ने हरैया उप जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि बजंर भूमि खाली कराकर आख्या दें। वरूण के अनुसार डीएम के आदेश पर अभी तक उप जिलाधिकारी चुप्पी साधे हुये हैं और लेखपाल राम सुमेर धमकी दे रहे हैं कि वे लेखपाल संघ का अध्यक्ष हैं, जैसा वे चाहेंगे वैसा ही होगा। जितनी शिकायत करनी हो कर लो, दरख्वास्त देने से मेरा कुछ नहीं बिगड़ेगा, मैं चाहूं तो तुम्हारे खिलाफ एस.सी.एस.टी. एक्ट में दलित उत्पीड़न का मुकदमा लिखवाकर जिन्दगी बरबाद कर दूंगा।

कप्तानगंज थाना क्षेत्र के मानपुर निवासी वरूण तिवारी ने उच्चाधिकारियों से मांग किया है कि बंजर भूमि से अवैध कब्जा हटवाने के साथ ही अवैध निर्माण को ध्वस्त कराते हुये संरक्षण देने वाले हल्का लेखपाल रामसुमेर के विरूद्ध भी कार्रवाई सुनिश्चित कराया जाय। यदि उनके विरूद्ध कोई षड़यंत्र होता है तो इसके लिये बुद्धिराम, मुन्नीलाल, पुत्रगण लुटावन के साथ ही लेखपाल को भी जिम्मेदार माना जाय।

अपना दल एस के क्षेत्रीय समीक्षा बैठक में लोकसभा चुनाव की बनी रणनीतिः सांगठनिक मजबूती पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोमवार को अपना दल एस की क्षेत्रीय समीक्षा बैठक क्षेत्रीय अध्यक्ष विवेक चौधरी की अध्यक्षता में प्रेस क्लब सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुये पार्टी की भूमिका और सांगठनिक मजबूती पर जोर दिया।

अपना दल एस के राष्ट्रीय सचिव एवं क्षेत्रीय प्रभारी राजेश पटेल ने मुख्य अतिथि के रूप में समीक्षा बैठक में कहा कि बूथ स्तर पर तैयारियां पूरी कर लेने की जरूरत है। पार्टी को जिस भी स्थान पर टिकट मिलेगा कार्यकर्ता एनडीए की जीत सुनिश्चित करने के लिये पूरी ताकत लगा देंगे। कहा कि पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल, प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार पाल के दिशा निर्देशन में पार्टी निरन्तर सक्रिय है। राष्ट्रीय सचिव रामनयन पटेल ने कहा कि डा. सोनेलाल पटेल ने जिन संकल्पों को लेकर पार्टी का गठन किया उस कमेरा समाज को सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक अधिकार मिले इस दिशा में जुट जाने की जरूरत है।

समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुये क्षेत्रीय अध्यक्ष विवेक चौधरी ने कहा कि बस्ती, सिद्धार्थनगर, संतकबीर नगर में पार्टी संगठन लगातार सक्रिय है। पार्टी को यदि बस्ती मण्डल में टिकट मिला तो पूरी ताकत से घोषित प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित कराया जायेगा।

अपना दल एस जिलाध्यक्ष राजमणि पटेल ने कहा कि बस्ती लोकसभा क्षेत्र में पार्टी का संगठन मजबूत है। बूथ स्तर पर रणनीति बना लिया गया है। पार्टी के दिशा निर्देश के अनुरूप कार्यकर्ता ताकत लगा देंगे।

क्षेत्रीय समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से सुखराम पटेल, महिपाल पटेल, शिव कुमार चौधरी, सईद खान, निसार अहमद, रामजीत पटेल, आत्माराम पटेल, रोहित पटेल बाबूलाल कन्नौजिया, अभिषेक आर्य, रामधनी चौधरी, संजय चौधरी, शिवेन्द्र चौधरी, झिनकान चौधरी, रमेश चन्द्र गिरी, प्रमोद पाल, विजय कुमार पटेल, अजीत वर्मा, प्रमोद कुमार कन्नौजिया, प्रदीप पटेल राना, अभय पटेल, अरूण चौधरी, दुर्गेश चौधरी, अंजनी चौधरी, कौशिल्या मौर्य, चिन्तराम वर्मा के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बस्ती मण्डल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

''मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता''—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक भारतीय बस्ती
बस्ती 27 फरवरी 2024 मंगलवार

सम्पादकीय

कांग्रेस—सपा गठबंधन

बनने से पहले ही बिखर जाने की अटकलों और आशंकाओं के बीच इण्डिया गठबंधन के लिए पहले यूपी और फिर दिल्ली से कुछ अच्छी खबर आई। समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी से सीट बंटवारे पर बनी सहमति ने एक बार फिर विपक्षी दलों और उनसे जुड़े कार्यकर्ताओं को यह दावा करने का मौका दे दिया है कि 2024 की लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है और वे सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए कड़ी चुनौती पेश करने का माद्दा अभी भी रखते हैं। कई झटके लगे पिछले कुछ समय से इण्डिया गठबंधन को एक के बाद एक कई झटके लगे। पहले तो कांग्रेस ने ही पिछले साल दिसंबर के विधानसभा चुनावों में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद में गठबंधन से जुड़ी बातचीत को ठंडे बस्ते में डाल दिया। बातचीत शुरू भी हुई तो नेताओं में न तो पहले जैसा जोश दिखा और न वैसी केमिस्ट्री महसूस हुई। फिर गठबंधन के प्रस्ताव पर सबसे बढ़—चढ़कर काम करने वाले नीतीश कुमार ही उसे छोड़ गए। यूपी में रालोद के जयंत चौधरी भी इण्डिया गठबंधन का हाथ थामते—थामते एनडीए में शामिल हो गए। इस बीच छोटे—बड़े नेताओं के कांग्रेस छोड़ने का सिलसिला भी तेज हुआ। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण का नाम खास तौर पर चर्चित रहा। इसे चाहे इन नेताओं का व्यक्तिगत अवसरवाद कहें या एनडीए नेतृत्व की सक्रियता, इतना तय है कि इन नेताओं को कांग्रेस का भविष्य खास अच्छा नहीं दिख रहा।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा की अगली कड़ी के रूप में भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू की और इससे कांग्रेस ने उम्मीदें भी काफी लगा रखी हैं, लेकिन अब तक की स्थितियों को देखते हुए इसे पिछली यात्रा जैसी कामयाब नहीं कहा जा सकता। इससे जिस तरह की ऊर्जा पैदा होने की उम्मीद की जा रही थी, उसमें एक बड़ी बाधा इण्डिया गठबंधन से जुड़े दलों में एकजुटता लाने में हुई देरी भी साबित हुई। इस वजह से विपक्षी एकजुटता के समर्थकों में समय पर उत्साह का संचार नहीं हो पाया।

वैसे कहा जा सकता है कि अभी भी वक्त हाथ से पूरी तरह निकला नहीं है। जिस तरह से समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी के साथ यूपी और दिल्ली के बाहर भी सीटों के बंटवारे पर सहमति बनी है, उसे देखकर लगता है कि दोनों पक्ष खुलेपन का परिचय दे रहे हैं। अगर महाराष्ट्र, बिहार और झारखंड जैसे अन्य राज्यों में भी इसी तरह की आपसी समझ बनी और सहजता से गठबंधन में सामंजस्य बना तो आगामी लोकसभा चुनाव में अच्छा मुकाबला दिख सकता है। लेकिन अहम सवाल तो यही है कि क्या गठबंधन की गाड़ी आगे और हिचकोले नहीं खाएगी? क्या यह दावा किया जा सकता है?

एक समय था कि यूपी में कांग्रेस, सपा व बसपा का दबदबा हुआ करता था, लेकिन पिछले दो लोकसभा चुनावों में भाजपा ने इन सभी को पीछे छोड़ दिया। बात सिर्फ तीन लोकसभा चुनावों की करें तो भाजपा ने सभी पार्टियों को पीछे धकेला है। वर्ष 2009 के चुनाव में सपा ने 23 तो कांग्रेस ने 21 सीटें यूपी में जीती थीं। इन दोनों पार्टियों का वोट प्रतिशत भी भाजपा से कहीं अधिक था, लेकिन वर्ष 2014 और 2019 के चुनावों में इनका वोटिंग प्रतिशत काफी नीचे चला गया। यह माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव में सपा और कांग्रेंस के एक साथ आने से मुस्लिम वोटों का बंटवारा काफी हद तक रुकेगा। अब देखने वाला यह होगा कि बसपा कितने सीटों पर मुस्लिम उम्मीदवार उतारती है, क्योंकि वह इनके साथ नहीं है और अपने दम पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर रखा है। बसपा के मुस्लिम दांव पर वोटों का बंटवारा रोकने के लिए सपा और कांग्रेस की रणनीति कितनी कारगर होती है यह तो समय बताएगा। बसपा मुस्लिम वोट बंटवारा कराने में सफल रही तो इसका सीधा नुकसान सपा—कांग्रेस गठबंधन पर पड़ेगा। जिसकी संभावना बहुत कम प्रतीत होती है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि आगामी लोकसभा चुनाव में इण्डिया गठबंधन कितना प्रभावशाली होगा।

क्षेत्रीय दलों की बढती भूमिका और लोकतंत्र

—पंकज तोमर—

भारतीय लोकतंत्र एक अजीब सी दुविधा के दौर से गुजर रहा है। प्रतिपक्षी पार्टियां अपनी मजबूत सकारात्मक उपस्थिति दर्ज नहीं करा पा रही हैं। कभी वे गठबंधन के सहारे आगे बढ़ती दिखाई देती हैं, तो कभी स्वतंत्र अस्तित्व को लेकर इतनी संवेदनशील हो जाती हैं कि कोई समझौता नहीं करना चाहतीं। जाहिर है, वे एक—दूसरे से भयभीत या असुरक्षित अनुभव करती हैं, इसलिए यह कालखंड भारतीय राजनीति का संक्रमण—काल भी कहा जा सकता है। किसी भी लोकतंत्र में यह अस्वाभाविक प्रक्रिया नहीं है। कालखंड के हिसाब से समाज और देश अपने आपको बदलता है, तो उसकी शासन—प्रणाली में भी क्यों परिवर्तन नहीं होना चाहिए? अभी तक बहुदलीय व्यवस्था भारतीय लोकतंत्र की खास बात रही है।

किसी भी लोकतंत्र की बुनियादी शर्त सामूहिक नेतृत्व ही है। यह तभी संभव है, जब विविध संस्कृतियों और धर्मों की कोख से नेतृत्व की तमाम समान धाराएं निकलें और राष्ट्र की मुख्य प्रशासनिक गंगा में समा जाएं। हिन्दुस्तान में बीते 75 साल में ऐसा हुआ है। इसी कारण अलग—अलग सभ्यतागत चरित्र, सामाजिक संरचना, आस्था और अपनी विभिन्न मान्यताओं—धारणाओं को स्वीकार करते हुए भारत दुनिया में अपने लोकतंत्र की साख कायम कर चुका है। ऐसा कोई भी देश नहीं है, जहां संस्कृति का इतना मिश्रित स्वरूप देखने को मिलता हो। इसलिए बहुदलीय लोकतंत्र यहां के लिए सर्वाधिक अनुकूल प्रणाली है। हालांकि, हाल के राष्ट्रीय—अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों, सियासत के बदलते चरित्र और प्रादेशिक व क्षेत्रीय पार्टियों की भूमिका के मद्देनजर नए सिरे से यह बहस अनिवार्य लगने लगी है कि तेजी से भाग रही दुनिया में क्या भारत के लिए अपनी राजनीतिक संरचना में परिवर्तन आवश्यक हो गया है?

वैसे तो पश्चिम और यूरोप के अनेक विकसित देशों में दो दलों की प्रधानता वाली प्रणाली भी कामयाबी से चल रही है। वहां साक्षर समाज ने इस तथ्य को स्वीकार कर लिया है कि आज के संपन्न संसार में अनेक वैचारिक धाराओं की वैसी जरूरत नहीं रही है, जैसी पचास—साठ साल पहले होती थी। व्यावहारिक तौर पर देखें, तो आज समाजवाद की अवधारणा उपयोगी होते हुए भी बासी पड़ चुकी है। जिस दौर में पूंजी का इतना बोलबाला हो, उसमें सभी वर्गों के लिए समानता की बात करना अव्यावहारिक है। यही हाल वामपंथी विचारधारा का है। अधिकारों और अपने हक के लिए लड़ाई लड़ने को कितने लोग सड़कों पर उतरना चाहते हैं? नई पीढ़ी तो आंदोलन और हड़ताल करने से बिदकती है। मानव श्रम का शोषण रोकने के लिए बनाए गए कानून बेमानी हो गए हैं। आज जम्हूरियत के नाम पर कमोबेश सारे बड़े देशों में एक लचीली व व्यावहारिक दक्षिणपंथी धारा दिखाई देती है। कमोबेश सारे राष्ट्र अब एक ताकतवर चेहरे को पसंद करते दिखाई देते हैं। लोकतंत्र का यही आधुनिकतम संस्करण है, जिससे अधिनायकवादी गंध भी आती है। वर्तमान उपभोक्तावादी समाज में इसे बहुत आपत्तिजनक नहीं माना जा रहा है। यही कारण है कि सुख—सुविधाओं से परिपूर्ण समाज को सिद्धांतों की चिंता नहीं रह गई है।

भारतीय संदर्भ में भी यह बात समझी जा सकती है। यहां दो दल—भाजपा व कांग्रेस ही अपना अस्तित्व राष्ट्रीय स्तर पर बचाकर रखे हुए हैं। यहां राजनीतिक अस्थिरता ने अधिकतर प्रादेशिक दलों को जन्म दिया है। गठबंधन सरकारों का सिलसिला भी इसी दौर की उपज है। इन छोटे, मंझोले और क्षेत्रीय दलों को देखें, तो पाते हैं कि वे अपने आप में संपूर्ण दल नहीं बन पाए हैं। उनकी आंतरिक संरचना में जाति और परिवार ही प्रधान हैं। यह स्थिति लोकतांत्रिक भावना के अनुरूप नहीं है। ऐसी पार्टियों का वैचारिक आधार नहीं होने से वे अपने स्वार्थों के आधार पर सत्ताधारी राष्ट्रीय दल के साथ गठबंधन करने लगती हैं। उन्हें गठबंधन से कोई रोक नहीं सकता, पर यदि सिद्धांतविहीन राजनीति पर देश चल पड़ा हो, तो जम्हूरियत भी कमजोर होती है।

आज भी अनेक क्षेत्रीय पार्टियों का संगठन बिना बहस सारे निर्णय का अधिकार पार्टी सुप्रीमो के हाथ में सौंप देता है। अतीत गवाह है कि एक व्यक्ति का निर्णय तो गलत हो सकता है, मगर सामूहिक फैसले कम ही गलत निकलते हैं, तो क्या हम आने वाले दिनों में भारतीय लोकतंत्र में दो पार्टियों की व्यवस्था को निमंत्रण दे रहे हैं?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

रेगिस्तान के जहाज ऊंट को मिले संरक्षण

—सुनील कुमार—

रेगिस्तान के जहाज(द शिप ऑफ डेजर्ट) के नाम से जाना जाने वाला, राजस्थान का राज्य पशु(ऊंटों के संरक्षण के लिए राजस्थान सरकार ने इसे साल 2014 में राज्य पशु का दर्जा दिया था) कहलाने वाला तथा राजस्थान की आन—बान और शान समझा वाला, स्तनधारी पशुओं में जिराफ के बाद दूसरे नंबर पर आने वाला एवं राजस्थान की जीवनरेखा समझा जाने वाला पशु ऊंट का अस्तित्व भी दिन—ब—दिन खतरे में पड़ता जा रहा है। यह बात कहने में कोई संदेह नहीं होगा कि राजस्थान की पहचान माने वाले ऊंट भविष्य में हो सकता है कि सिर्फ किताबों और चित्रों, इंटरनेट व कल्पनाओं में ही आने वाली पीढ़ियों को नजर आएं। जानकारी देना चाहूंगा कि थार के मरुस्थल की पाकिस्तान से लगती पश्चिमी सीमा में बॉर्डर गार्डिंग ऊंटों के जरिए होती है,लेकिन यह बहुत ही संवेदनशील है कि आज रेगिस्तानी जहाजों की संख्या लगातार घट रही है। सभी को यह विदित ही है कि राजस्थान में ऊंट की अपनी विशेष उपयोगिता व पहचान रही है और राजस्थान में पशुपालन में इसका विशेष स्थान रहा है। पश्चिमी राजस्थान के रेगिस्तानी इलाकों में ऊंट आवागमन ही नहीं बल्कि खेती और दूध और आपूर्ति का भी प्रमुख साधन रहा है। राजस्थान ही नहीं संपूर्ण देश में आज ऊंटों की संख्या तेजी से घट रही है। जानकारी के अनुसार गत 47 सालों में साढ़े आठ लाख ऊंट कम हुए हैं। यह बहुत ही संवेदनशील और गंभीर है कि देश के कई राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में तो ऊंटों की संख्या शून्य हो गई है। इसमें आंध्र प्रदेश, झारखंड, सिक्किम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, चंडीगढ़, अंडमान, लक्ष्यदीप, दादरा नगर हवेली और दमन व दीव शामिल है।नहरी तंत्र के विस्तार से चारागाहों में कमी होना, ऊंटों के परम्परागत चारा—नीरा, फूस और फळगटी कम होने से इनकी कीमत का बढ़ना,कृषि का आधुनिकीकरण व मशीनीकरण होने से ऊंटों की उपयोगिता कम होना, परिवहन में वाहनों का इस्तेमाल करना, बदलते परिवेश के कारण तो कभी ऊंटों में त्वचा संबंधी मेंज बीमारी व अन्य बीमारियों के कारण, ऊंटों की तस्करी आदि के कारण भी ऊंटों की संख्या में लगातार कमी आ रही है। बढ़ते विकास के कारण एवं चारे—पानी की कमी के कारण पशुपालकों का ऊंट पालन के प्रति मोह भंग होने लगा है। आज सीमा क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछ चुका है, इसके कारण ऊंटों की इतनी आवश्यकता नहीं रही और पशुपालक इसे पालने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे और इन्हें खुले में छोड़ देते हैं।सीमा क्षेत्र में हालांकि सड़कों का जाल बिछा हुआ है। इसके कारण ऊंटों की इतनी आवश्यकता नहीं है,सच तो यह है कि आज समय के साथ ऊंटों की उपयोगिता कम होने के कारण भी पशुपालकों ने ऊंट से मुंह मोड़ना शुरू कर दिया है। पर्यटन के क्षेत्र में भी आज ऊंटों का इस्तेमाल उतना नहीं किया जाता है, जितना कि पहले किया जाता था, क्यों कि पर्यटन में भी आजकल वाहनों का इस्तेमाल होने लगा है। कहना गलत नहीं होगा कि आज ऊंटों की संख्या कम होने का सबसे बड़ा कारण इसका परिवहन व खेती में उपयोग नहीं के बराबर या बहुत ही होना है। पर्यटन के क्षेत्र में जैसलमेर, जोधपुर के अलावा पश्चिमी राजस्थान में कहीं ऊंट का उपयोग पर्यटन क्षेत्र में आज नहीं हो रहा है। आज कैमल सफारी के आयोजनों में पहले की तुलना में काफी कमी आई है। यदि हम यहां आंकड़ों की बात करें तो आंकड़ों के अनुसार राजस्थान में वर्ष 2012 में ऊंटों की संख्या 3.26 लाख थी, जो घट कर 2.13 लाख रह गई है। राजस्थान के अलावा गुजरात, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में भी ऊंट पाए जाते हैं, लेकिन सभी जगह ऊंटों की संख्या में गिरावट आई है। यह दुखद है कि राज्य पशु ऊंट के वध पर निषेध के बावजूद भी इसकी तस्करी जारी है। चोरी छिपे आज ऊंटों को (तस्करी कर) आज बूचड़खानों में ले जाया जा रहा है।

विगत दशकों में राज्य पशु ऊंट की घटती संख्या चिंता का विषय बनी हुई है। वास्तव में,इसके सामाजिक व आर्थिक पक्ष भी है और इसका सर्वाधिक दुष्प्रभाव उन सामाजिक समूहों पर पड़ा है जिनकी आजीविका का आधार पशुपालन व पशुचारण रहा है।आज से लगभग चार दशक पहले देश में 11 लाख से अधिक ऊंट (नर व मादा) थे, जो वर्ष 2019 में घटकर ढाई लाख रह गए। जानकारी देना चाहूंगा कि 20 वीं पशु गणना के अनुसार 1.70 लाख ऊंटनी की तुलना में केवल 80 हजार ऊंट थे। संवेदनशील है कि पशुपालन विभाग द्वारा पशुगणना 2012 की तुलना 2019 में ऊंटों की संख्या में 34.69 फीसदी कमी हुई है। यहां चौंकाने वाली बात यह है कि देश में 2019 की गणना के अनुसार पशुधन की संख्या में 4.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यहां यह बात गौर करने लायक है कि राजस्थान में पशुधन में 1.66 फीसदी की गिरावट आई है और इनमें ऊंट भी हैं। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 1977 में 11 लाख, 1982 में 10 लाख 80 हजार, 1987 में 10 लाख, 1992 में 10 लाख 30 हजार, 1997 में 9 लाख 10 हजार, 2003 में 6 लाख 30 हजार, 2007 में 5 लाख 20 हजार, 2012 में चार लाख, 2019 में की 2 लाख 50 हजार रह गए हैं।

यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि वर्तमान में देश में करीब ढाई लाख ऊंट हैं। इनमें से 2.12 लाख ऊंट राजस्थान में है, जो कुल ऊंटों का 85ः है। यह भी विदित हो कि वर्ष 1983 में राज्य में 7.56 लाख ऊंट थे,जो लगातार घटते चले जा रहे हैं। एक अन्य आंकड़े की बात करें तो इसके अनुसार 1951 में कुल पशुधन के 1.34 प्रतिशत ऊंट थे, जो 2019 में 0.37 प्रतिशत रह गए है। हालांकि इसी बीच हाल ही में एक प्रतिष्ठित हिंदी दैनिक के हवाले से ऊंटों के मामले में एक सुखद व अच्छी यह खबर आई है कि राजस्थान के मेवाड़—वागड़ में 2019 की गणना में 1131 ऊंट बढ़े हैं, जबकि सर्वाधिक 996 ऊंट डूंगरपुर में बढ़े हैं। एक प्रतिष्ठित हिंदी दैनिक में प्रकाशित एक खबर के अनुसार ' वर्ष 1977 से वर्ष 2019 तक के आंकड़ों का आकलन करने पर पता चलता है कि करीब साढ़े आठ लाख ऊंट देश में कम हो गए हैं। यानि ऊंट घटने का प्रतिवर्ष का औसत 50 प्रतिशत से ज्यादा है। यह स्थिति तब है, जबकि ऊंट किसी बड़ी महामारी के शिकार नहीं हुए हैं। जानकारों के अनुसार आंध्रप्रदेश, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र व केरला में गिनती भर के ऊंट हैं।'

हाल ही में आई इस खबर में बताया गया है कि हालांकि राज्य के उदयपुर जिले में इनकी संख्या घटी है, लेकिन संभाग के अन्य जिलों में यह संख्या बढ़ रही है। बहरहाल, राजस्थान में ऊंटों की संख्या को देखते हुए ऊंट पालन पर और अधिक ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है, क्यों कि यदि समय रहते ऊंट पालन पर ध्यान नहीं दिया गया तो प्रदेश के पर्यटन के साथ ही देश की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाने वाले ऊंट गायब हो जाएंगे। जानकारी देना चाहूंगा कि ऊंट न केवल कृषि कार्यों में, सुरक्षा में तथा पर्यटन में अपनी भूमिका निभाता आया है बल्कि ऊंट का राजस्थान की जैविक विविधता में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। दूर दराज के रेगिस्तानी इलाकों में आज भी ऊंट हमारी आजीविका का मुख्य साधन बना हुआ हैं। ऊंटनी का दूध भी औषधीपरक होता है और यह वैज्ञानिक अनुसंधान में भी प्रमाणित हो चुका है। जानकारी देना चाहूंगा कि ऊंटनी के दूध से बने उत्पाद स्वास्थ्यवर्धक मानें जाते हैं। वर्तमान में ऊंटनी के दूध से बिस्किट, चॉकलेट, आइसक्रीम और साबुन तक भी बनाया जा रहा हैं। इस दूध में विटामिन, प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन समेत व अन्य खनिज लवण व तत्व होते हैं, जिससे शरीर में इम्यूनिटी बढ़ने के साथ हड्डियां भी मजबूत होती है। वैज्ञानिक अनुसंधान बताते हैं कि ऊंटनी का दूध कैंसर, डायबिटीज, टीबी, हृदय रोग जैसी अनेक बीमारियों के खतरे को भी कम करता है। यहां तक कि ऊंटनी का दूध खून की कमी दूर करने के साथ मेमोरी पावर भी बढ़ाता है। इसमें हाइड्रोकसील अम्ल पाया जाता है, जो त्वचा को निखारने में मदद करता हैद्य। ऊंटनी का दूध पौष्टिक एवं लाभदायक होने से इसका प्रचलन बढ़ रहा है। ऊंट के दूध को लेकर जागरूकता व संस्थागत तरीके से वितरण व्यवस्था की आवश्यकता है। इससे ऊंट पालन के प्रति पशुपालकों का रुझान फिर बढ़ने लगेगा। दूध ही नहीं , ऊंट के बालों व खाल से आज अनेक प्रोडक्ट बनाए जाते हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि राष्ट्रीय ऊंट अनुसंधान केंद्र, बीकानेर में ऊंट के बालों से बने जैकेट, चप्पल और पर्स खरीदे जा सकते हैं। ऊंट के बालों से साउंड प्रूफ और अग्निविरोधी सीट व योगा मैट भी तैयार की जा रही हैं। आज के इस आधुनिक युग में ऊंट पालकों को ऊंट पालन की समुचित और वैज्ञानिक जानकारी देने के साथ ही उनको प्रोत्साहित करने की जरूरत है। इसके लिए राज्य तथा केन्द्र सरकार को भी योजनाएं शुरू करने की जरूरत है। जानकारी देना चाहूंगा कि आज भी राजस्थान के बाड़मेर, जैसलमेर, सिरोही, जालोर में ऊंट ठीक—ठाक संख्या में हैं। आज ऊंटों के संरक्षण के लिए चरागाह विकास, ऊंट संवर्धन केंद्र, डेयरी या कोई बड़ा प्रोजेक्ट लगाने की जरूरत है और ऊंट पालन करने वाले किसानों को लगातार प्रोत्साहित करने की जरूरत है।

इंदिरा गांधी के 'तीसरे बेटे' कमलनाथ

—मेहुल मालपानी—

'इंदिरा गांधी के तीसरे बेटे!' यह वाक्य पिछले कुछ दिनों में भोपाल से नई दिल्ली तक गूंजा और पूर्व कांग्रेस मुख्यमंत्री कमल नाथ के भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बीच मध्य प्रदेश की राजनीति में तूफान आ गया। यह वाक्य विभिन्न कांग्रेस नेताओं द्वारा नाथ के प्रति भावनात्मक पहुंच के रूप में इस्तेमाल किया गया। 1980 के लोकसभा चुनावों का संदर्भ था, जब वह पहली बार एम.पी. की छिंदवाड़ा सीट से चुनाव लड़ रहे थे। दिसंबर, 1979 में, इंदिरा गांधी एक चुनावी रैली के लिए आई थीं और उन्होंने कहा था, 'वह (नाथ) मेरा तीसरा बेटा है। कृपया, उसका ख्याल रखें।'

कमल नाथ ने चुनाव जीता, जिससे कांग्रेस का अंतर 1977 में 2,369 से बढ़कर 1980 में 70,131 हो गया। 17 फरवरी, 2024 तक, नाथ और उनके बेटे, वर्तमान छिंदवाड़ा सांसद नकुल नाथ, राष्ट्रीय राजधानी में थे। रिपोर्टों में दावा किया गया है कि दोनों कुछ वरिष्ठ भाजपा नेताओं से मिलने और भगवा खेमे में प्रवेश के लिए एक सौदे को अंतिम रूप देने के लिए वहां गए थे। कमल नाथ द्वारा दिल्ली में अपने समर्थकों के साथ एक बंद कमरे में बैठक करने के बाद अंततरू अफवाहों को खारिज कर दिया गया। गांधी परिवार के साथ नाथ का जुड़ाव दून स्कूल, देहरादून में बिताए समय से है, जहां उन्होंने इंदिरा गांधी के छोटे बेटे, दिवंगत संजय गांधी से दोस्ती की, जो बाद में उन्हें राजनीति में ले आए।

1968 में नाथ भारतीय युवा कांग्रेस में शामिल हो गए। पुराने रिकॉर्ड और वरिष्ठ राजनीतिक पर्यवेक्षकों से पता चलता है कि कमल नाथ संजय गांधी के कुछ विश्वासपात्रों में से एक थे, जो 1975—77 तक आपातकाल के दौरान चीजों को संभाल रहे थे। जून 1980 में संजय गांधी का निधन हो गया और अक्तूबर 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या हो गई लेकिन कमल नाथ का गांधी परिवार के साथ जुड़ाव जारी रहा। उनके बारे में कहा जाता है कि वे उन चंद कांग्रेसियों में से हैं जिनकी 'सोनिया गांधी तक सीधी पहुंच' है। उनके पार्टी छोड़ने की अटकलों के बीच भी, भोपाल में एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने एक अंग्रेजी के समाचार पत्र से कहा, ''यह कांग्रेस के बारे में उतना नहीं है जितना कि (गांधी) परिवार के बारे में है। भले ही वह किसी बात से नाराज हों, लेकिन ऐसा नहीं है।'' नेतृत्व पर किसी भी तरह का दबाव डालने की जरूरत है जब वह सीधे जाकर सोनिया जी से बात कर सकते हैं। उत्तर प्रदेश के कानपुर में जन्मे और कोलकाता में पले—बढ़े कमल नाथ की जड़ें मध्य प्रदेश में नहीं हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में छिंदवाड़ा उनके नाम और परिवार का पर्याय बन गया है।

राज्य से सांसद होने के बावजूद, कमल नाथ अप्रैल 2018 तक मध्य प्रदेश की राजनीति में बहुत कम सक्रिय थे, जब विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले उन्हें प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया था। नाथ के नेतृत्व में कांग्रेस 114 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, जो बहुमत से 2 कम थी और उसने बहुजन समाज पार्टी, समाजवादी पार्टी और निर्दलीय विधायकों के समर्थन से सरकार बनाई।

ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे लोगों के विरोध के बावजूद, कमल नाथ को मुख्यमंत्री के रूप में चुना गया। हालांकि, सरकार थोड़े समय के लिए ही चल पाई क्योंकि सिंधिया ने मार्च, 2020 में 22 विधायकों के साथ विद्रोह किया और भाजपा को सत्ता में वापस ला दिया। कांग्रेस नेतृत्व ने 2023 के विधानसभा चुनावों के लिए फिर से कमल नाथ पर अपना पूरा भरोसा जताया। इस बार बड़ी सत्ता विरोधी लहर के बावजूद कांग्रेस को भारी हार का सामना करना पड़ा और वह 66 सीटों पर सिमट गई। भाजपा 163 सीटों के साथ सत्ता में वापस आ गई। 3 दिसंबर, 2023 को चुनाव परिणाम के कुछ दिनों बाद, भले ही उन्हें कांग्रेस आलाकमान ने ऐसा कोई संकेत नहीं दिया था, मगर कमल नाथ को पी.सी.सी. प्रमुख के पद से हटा दिया, और उनकी जगह युवा जीतू पटवारी को नियुक्त किया।

कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में हुई हार के लिए भी उन्हें दोषी ठहराया गया। कहा जा रहा है कि इस कदम से कमल नाथ नाराज हो गए हैं क्योंकि राज्य भाजपा के एक अंदरूनी सूत्र ने दावा किया है कि सत्तारूढ़ दल तब से पूर्व सी.एम. के संपर्क में है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि भविष्य में उन्हें कांग्रेस में क्या भूमिका दी जाएगी, लेकिन कमल नाथ के बाहर निकलने की चर्चा अब शांत हो गई है क्योंकि वह राहुल गांधी की यात्रा में शामिल होने वाले हैं जो 2 मार्च को राज्य में प्रवेश करेगी। यह ऐसी खबर है जिसका राज्य कांग्रेस नेता लगातार प्रचार—प्रसार कर रहे हैं।

हाईस्कूल की छात्रा ने फांसी लगाकर कर ली आत्महत्या

संवाददाता—गोण्डा। एक हाई स्कूल की छात्रा ने सोमवार की दोपहर बाद उस वक्त घर के एक कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जिस समय घर पर कोई मौजूद नहीं था। आसपास के लोगों के मुताबिक मां बेटी को छोड़कर नए प्लांट पर जहां पर मकान निर्माण का कार्य चल रहा था। उसे देखने गई थी। जब वह वापस लौट कर आई, तो कमरे में पंखे से बेटी का लटकता शव देखकर वह चिल्लाने लगी। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे पुलिस को सूचना दिया। पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जिले के कटरा थाना के पहाड़पुर के भैरमपुर गांव के रहने वाले संजय मिश्रा अंबाला में प्राइवेट जॉब करते हैं। बीते करीब एक वर्ष से वह शहर के नगर कोतवाली क्षेत्र के बरियारपुरवा में किराए का मकान लेकर उनकी पत्नी और बेटी रह रही थी। बेटी निधि 16 वर्ष शहर के एक निजी स्कूल में हाई स्कूल की छात्रा थी। निधि की मां सिलाई का काम करती है। किशोरी की आत्महत्या करने के बाद मां का रो—रो कर बुरा हाल है। घटना के बाद आसपास के लोगों ने डायल 112 को सूचना दिया। मौके पर पहुंची डायल 112 ने नगर कोतवाली पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को पंखे से उतरवा कर पंचायतनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जिस समय यह घटना घटी मृतका की मां घर पर नहीं थी। वह निर्माणाधीन अपना प्लाट देखने गई थी। वहां से लौट कर आई तब उसे कमरे में पुत्री का लटकता हुआ शव मिला। नगर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है घटनास्थल का पुलिस के उच्च अधिकारियों ने जांच पड़ताल की है। पूरे मामले का बारीकी से परीक्षण किया जा रहा है।

फार्मेसी की टीम ने 19 रन से जीता मैच

संवाददाता—महराजगंज। चेहरी आईटीएम परिसर में द्वितीय वार्षिक खेल सप्ताह का शुभारंभ हुआ। फार्मेसी की टीम ने 19 रन से मैच जीत लिया। आईटीएम फार्मेसी व आईटीएम इंजीनियरिंग की टीम के बीच मुकाबला हुआ। मुख्य अतिथि प्रो.आरपी मणि, पूर्व अधिष्ठाता, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी संस्थान गोरखपुर ने खेल का शुभारंभ किया।

पहले दिन सोमवार को आईटीएम इंजीनियरिंग और आईटीएम फार्मेसी के बीच क्रिकेट मैच हुआ। आठ ओवर के इस मैच में आईटीएम इंजीनियरिंग ने टॉस जीतकर आईटीएम फार्मेसी को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। आईटीएम फार्मेसी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 69 रन बनाया। 69 रनों का पीछा करते हुए आईटीएम इंजीनियरिंग ने 50 रन बनाया और फार्मेसी की टीम ने 19 रन से जीत हासिल कर ली। मैच में प्लेयर ऑफ द मैच खुसूब्दीन रहे। संस्थान के मीडिया प्रभारी अवनीश कुमार मिश्र ने बताया कि मैच के अलावा वालीबाल और बैडमिंटन प्रतियोगिता हुई। इस दौरान अभय चौधरी, जयंत मणि, डॉ. मोनिका सिंह, मनदीप सिंह, डॉ. आर गोपाल मौजूद रहे।

स्कूल में रह रहे शिक्षक के घर में चोरी

संवाददाता—बहराइच। कोतवाली क्षेत्र के चंदेला में चोरों ने निजी विद्यालय के एक हिस्से में रह रहे विद्यालय संचालक के घर धावा बोलकर नकदी समेत अन्य समान पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित ने कोतवाली नानपारा में दो लोगों पर आशंका जताते हुए नामजद व अन्य अज्ञात के खिलाफ तहरीर दिया है। पुलिस नामजद लोगों से पूछताछ कर रही है। क्षेत्र के चंदेला में संजय शर्मा, कामेश्वर नाथ सर्वोदय ज्ञान मन्दिर का संचालन करते हैं। संजय शर्मा ने बताया कि वह विद्यालय के एक हिस्से में परिवार के साथ रहते हैं।

वोट के बहिष्कार को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता—बहराइच। बहराइच जिले में नेपाल से सटे विकासखंड मिहीपुरवा के न्याय पंचायत आम्बा के चार गांव पंचायत के लोग लोकसभा चुनाव में मतदान नहीं करेंगे। इसके लिए गांव के लोगों ने प्रधान की अगुवाई में बाइक रैली निकालकर धरना प्रदर्शन करके ज्ञापन भी प्रशासन को सौपा है। गांव की दीवारों पर वोट बहिष्कार की बात लिख दी गई है। डिजिटल इंडिया के इस युग में इन ग्राम पंचायत की करीब 15 से 20 हजार की आबादी नेटवर्क की समस्या से जूझ रही है। देश भर में जहां लोकसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। निर्वाचन आयोग मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए तरह—तरह के कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को जागरुक कर रहा है। वही बहराइच जिले के नेपाल से सटे चार ग्राम पंचायत के लोगों ने मतदान का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। इस बहिष्कार में गांव के प्रधान भी शामिल हैं। बहराइच मुख्यालय से करीब 110 किलोमीटर की दूरी पर आम्बा न्याय पंचायत में लगभग जनजाति के लोग

रहते हैं। डिजिटल इंडिया के इस युग में इन ग्रामीणों की सबसे बड़ी समस्या नेटवर्क बन चुकी है। यहां के लोग दूरसंचार सुविधाओं से दूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि चुनाव के समय नेता विकास झांसा देकर वोट हासिल कर लेते हैं।

नेटवर्क की मांग को लेकर जनजातीय समुदाय ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। बीते सप्ताह नेटवर्क की मांग को लेकर ग्रामीणों ने डीएम, एसडीएम समेत जिले के आलाधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर मांग रखी थी। लेकिन दो सप्ताह बीत जाने के बाद भी इन गांवों में नेटवर्क की समस्या जस के तस बनी हुई है। चुनाव के नजदीक आते ही ग्रामीणों ने नेटवर्क की लड़ाई को तेज कर दिया है। तीन गांव के ग्राम प्रधानों की अगुवाई में जनजाति और अन्य समुदाय के सौ से अधिक ग्रामीणों ने गांवों में बाइक रैली निकालकर वोट बहिष्कार के नारे लगाए। इस मौके पर बेचन चौधरी, प्रधान श्यामलाल, प्रधान इकरार अंसारी, प्रधान बसन्तलाल, श्रवन कुमार, राजा चौधरी, हरिभगवान यादव, करम सिंह, बेचनलाल,भागीराम महंत, उमेस कुमार,मनोज कुमार, दिलीप कुमार आदि मौजूद रहे।

रिश्तेदारी में आए परिवार से मारपीट, चार घायल

संवाददाता—महराजगंज। थाना क्षेत्र अंतर्गत नगर पंचायत के वार्ड नं 14 महात्मा गांधी नगर में रविवार की रात रिश्तेदारी में आए परिवार को मोहल्ले के दबंगों ने पीट दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बृजमनगंज ले गई। जहां उनका उपचार चल रहा है। जानकारी के अनुसार, गुलशन निशा अपने भाई मंजूर अली के रविवार को अपने बेटे सद्दाम हुसैन व बहु मोमिना खातून के साथ आईं थीं। अभी घर में सब—ए—बरात त्योहार मनाने की तैयारी चल रही थी। इसी दौरान मोहल्ले के दबंग किस्म के लोग पांच—छह की संख्या में लोग मंजूर के यहां आ गए और उनके रिश्तेदारों से विवाद करने लगे। थोड़ी देर में मामला मारपीट में बदल गया। इसमें गुलशन निशा व उनके बेटे तथा बहु को गंभीर चोटें आई हैं।

किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू ने किया घेराव

संवाददाता—बलरामपुर। भाकियू के दिल्ली जाने वाले रास्ते को बंद कर सरकार किसानों पर जुल्म कर रही है। अगर दिल्ली का रास्ता न खोला गया तो भाकियू गांव—गांव सरकारी अधिकारियों का रास्ता जाम कर देगा। यह घोषणा भाकियू के जिलाध्यक्ष खलील शाह ने राज्यपाल के सम्बोधित चार सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम उतरौला अवधेश कुमार को देते हुए कही। जिलाध्यक्ष खलील शाह ने तमाम किसानों के साथ तहसील उतरौला कार्यालय पर धरना दिया। कहा कि देश की राजधानी दिल्ली जाने वाले किसानों को जाने के लिए रास्ता रोक रही है। रास्ते में लोहे के कील व काटें लगाकर रास्ता जाम कर रखा है। इससे देश के किसानों में सरकार के खिलाफ काफी गुस्सा है। उन्होंने अपने चार सूत्रीय ज्ञापन में राज्यपाल से हस्तक्षेप करते हुए तत्काल दिल्ली का रास्ता किसानों के लिए खुलवाने के लिए हस्तक्षेप करने की मांग की है। एसडीएम उतरौला अवधेश कुमार ने भाकियू को बताया कि प्रकरण की जानकारी राज्यपाल को भेज दी जाएगी।

चौपाल लगाकर लोगों दी जाएंगी योजनाओं की जानकारी

संवाददाता—बलरामपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा तुलसीपुर की ओर से आदर्श नगर पंचायत तुलसीपुर सभागार में युवा चौपाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महिला मोर्चा प्रदेश कार्य समिति सदस्य शेरावाली शुक्ला रहीं। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाले लोकसभा चुनाव में हम सबको मिलकर मोदी को 400 सीट पार कर तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाना है। भाजयूमो मंडल महामंत्री ऋतिक चौरसिया ने बताया कि 20 जगहों पर युवा चौपाल कार्यक्रम करना है। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा राहुल तिवारी, मंडल महामंत्री ऋतिक चौरसिया, जिला सोशल मीडिया प्रभारी दीपक चौरसिया, संजय कसौधन, सभासदगण एवं युवा मोर्चा के कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

आवास योजना में पात्रों को अपात्र बनाने का आरोप

संवाददाता—महराजगंज। मिठौरा क्षेत्र के ग्राम कम्हरिया कला निवासी पतरु ने सीडीओ को एक शिकायती पत्र देकर रोजगार सेवक पर बैंक खाते में आधार लिंक कराने में धोखाधड़ी करने व प्रधानमंत्री आवास योजना में गोलमाल करने का आरोप लगाया है।

शिकायती पत्र में पतरु ने लिखा है कि रोजगार सेवक ने जान—बूझकर मेरी पत्नी कौशिल्या का आधार कार्ड उनके खाता से व पत्नी कौशिल्या का आधार कार्ड उसके बैंक खाते से लिंक करा दिया है। जबकि उसका बैंक खाता पूर्वांचल ग्रामीण बैंक चौक में है। वहीं पत्नी कौशिल्या का बैंक खाता नगर सहकारी बैंक बागापार में है। इस कारण मनरेगा की मजदूरी खाते में नहीं जाने से भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं। जिम्मेदार लोगों की मिलीभगत से आवास आवंटन में मनमानी करने का आरोप लगाया है।

अवैध सामान लाने से देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है असर

संवाददाता—महराजगंज। सिद्धार्थ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री रूपनदेही के नेतृत्व में कस्टम शुल्क चोरी और तस्करी रोकने को लेकर वाणिज्य संघ कार्यालय के सभागार में एक कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें अवैध व्यापार को रोकने की मांग की गई। उद्योगपतियों ने कहा कि इससे नेपाल की अर्थ व्यवस्था पर असर पड़ रहा है। एसोसिएशन जिला पुलिस कार्यालय रूपनदेही के मुख्य पुलिस अधीक्षक (एसपी) रंजीत सिंह राठौड़, सशस्त्र पुलिस बल नेपाल नंबर 27 गण एचवर्ग रूपनदेही के मुख्य सशस्त्र पुलिस अधीक्षक (एसपी) आनंद थापा और राष्ट्रीय जांच जिला कार्यालय के मुख्य उप जांच निदेशक हरीश बहादुर बिस्ता से चेंबर कार्यालय में मुलाकात की । व्यापारियों ने कहा कि अवैध सामान लाने से देश की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ता है। सुरक्षा एजेंसियों को अवैध गतिविधियों को नियंत्रित करने पर ध्यान देना चाहिए। एसोसिएशन के अध्यक्ष ठाकुर कुमार श्रेष्ठ ने सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों से चोरी और तस्करी पर नियंत्रण पर विशेष ध्यान देने को कहा, क्योंकि भारत से अवैध आयात के कारण नेपाल के व्यवसायी का व्यापार खत्म हो रहा है। उन्होंने कहा कि वह सुरक्षा एजेंसियों के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ेंगे।

उन्होंने कहा कि उद्योग एवं व्यापार के संचालन के लिए शांति एवं सुरक्षा अपरिहार्य है। चेयरमैन श्रेष्ठ ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुख पहले से बेहतर काम करेंगे। जिले की स्थिति से अवगत होने के बाद सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों ने कहा कि उद्योगपतियों और व्यापारियों का समर्थन जरूरी है और वे पहले की तुलना में बेहतर काम करेंगे। नेपाल फेडरेशन ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की उद्योग समिति के अध्यक्ष राजेश कुमार अग्रवाल, लुंबिनी फेडरेशन ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष कृष्ण प्रसाद शर्मा, सिद्धार्थ फेडरेशन के महासचिव कृष्ण प्रसाद धिमिरे वाणिज्य आदि मौजूद रहे।

लग्न शुरू होते ही बढ़े सब्जियों के भाव

संवाददाता—बहराइच। लग्न शुरू होते ही कस्बे में सब्जियों के दाम बढ़ने लगे हैं। एक हफ्ते के भीतर सब्जियों के दामों में बढ़ोतरी देखने को मिली है। ब्लॉक नवाबगंज के इलाके में रुपईडीहा मंडी सहित साप्ताहिक बाजारों में शादी, लग्न, मुंडन आदि के आयोजन पर सब्जियों की मांग बढ़ी है। लग्न के अनुसार आढ़तियों के पास एडवांस में सब्जियों की मांग है। शादी विवाह में आलू, प्याज से लेकर गोभी, शिमला मिर्च और टमाटर का अधिक उपयोग होता है। सब्जी विक्रेता वसी, छंगा आदि ने बताया कि 25 से 30 रुपये प्रति किलो बिकने वाली प्याज 35 से 40 रुपये किलो, 20 रुपये में बिकने वाली फूल गोभी तथा टमाटर 40 रुपये प्रति किलो, 30 रुपए किलो का कटहल 50 रुपए में बिक रहा है।

आलू के दाम में भी 5 से 10 रुपये तक प्रति पांच किलो में बढ़ोतरी हुई है। इसी तरह मूली, शिमला मिर्च और गाजर के दाम में भी वृद्धि हुई है। सबसे ज्यादा महंगाई पनीर 275, मशरूम 175, सफेद बैगन 100 रुपये प्रति किलो मिल रहा है।

बीसीपीएम पर धन उगाही का आरोप

संवाददाता—श्रावस्ती। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मल्हीपुर क्षेत्र के तहत तैनात आशा व संगिनी ने सीएम को शिकायती पत्र देकर धन उगाही का आरोप लगाया है। कार्यकत्रियों का आरोप है कि बीसीपीएम उन्हें फर्जी तरीके से परेशान करती है।

आशा के किसी भी कार्य को करने के लिए पांच सौ से लेकर एक हजार रुपये तक की मांग करती है। न देने पर काम नहीं करती और बार बार दौड़ती है। साथ ही नौकरी छोड़ देने को कहती है तथा नौकरी से निकलवा देने की धमकी देती है। सभी आशा को से हमेशा अभद्रता करती है। जांच कर कार्रवाई की मांग की गई है।

महिला की हत्या में दो लोगों को उम्रकैद

संवाददाता—गोण्डा। अपर जिला जज सर्वजीत कुमार सिंह ने हत्या के दो दोषियों को उम्रकैद व 43—43 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड की अदायगी न करने पर अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता ओम प्रकाश शुक्ला के अनुसार थाना करनैलगंज अंतर्गत ग्राम नारायनपुर माझा गोबरे पुरवा निवासी रानू पांडेय ने इस आशय की रिपोर्ट दर्ज कराई कि 13 फरवरी 2021 को मंदिर के सामने पड़े खेत में कुछ लोग खड़े थे। उन्हें देखकर वादी भी वहां पहुंच गया और देखा कि एक मुस्लिम महिला की लाश वहां पड़ी है। पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर प्रकरण की विवेचना शुरू की। विवेचना में जिला बाराबंकी के अजीम नगर जहांगीराबाद निवासी इस्माइल पुत्र इनायत अली व गौरी बनियानी थाना फतेहपुर बाराबंकी निवासी इरफान पुत्र इशहाक के बाद आरोप पत्र अदालत पर भेज दिया। मुकदमे की सुनवाई के दौरान अदालत ने अभियोजन व बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं की बहस व दलीलों को सुना तथा पत्रावली में उपलब्ध साक्ष्यों का गहन अवलोकन करने के पश्चात आरोपित अभियुक्तों को हत्या करने का दोषी करार देते हुए उम्रकैद व 43—43 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड की अदायगी न करने पर एक वर्ष की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

हर क्षेत्र में महिलाएं अग्रणी भूमिका निभा रहीं –डा. प्रज्ञा

संवाददाता—बहराइच। लोकसभा चुनावों से पूर्व भाजपा के आयोजनों का सिलसिला तेज हो गया है। सोमवार को शहर के चंद्रिकापुरी स्थित भाजपा कार्यालय में शक्ति वंदन कार्यक्रम की श्रखला में एनजीओ सम्मेलन का कार्यक्रम का आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष बृजेश पांडे ने की। मुख्य अतिथि सांसद अक्षयवर लाल गोंड, विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय मंत्री कैप्टन विकास सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह रहीं। सम्मेलन का संचालन जिला महामंत्री राघवेंद्र प्रताप सिंह ने किया।

जिलाध्यक्ष व अतिथियों ने पं. दीनदयाल उपाध्याय, पं. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित का कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। विधान परिषद सदस्य डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी ने कहा कि एक समय था जब महिलाएं घरेलू कार्य करती थीं। उनका जीवन घरों की प्राचीरों एवं घूंघट में जकड़ा हुआ था। समय बदला और वर्तमान समय में महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका में हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह ने कहा कि आज देश की महिलाएं उच्च शिक्षा प्राप्त करके देश के उच्च संस्थान में उच्च पदों पर रहकर देश एवं समाज की सेवा में अपना योगदान कर रही हैं। जिलाध्यक्ष ने कहा कि आज ग्रामीण आजीविका मिशन में महिला उद्यमियों के लिए वित्तीय आत्मनिर्भरता की अनूठी योजना है। प्रदेश में 66 लाख ग्रामीण महिलाओं को 6.34 लाख समूहों 31.601, थाना प्रतिस्थानों और 1735 संगठनों के साथ जोड़ा गया है। मुख्य अतिथि अक्षयवरलाल गोंड ने कहा कि ग्रामीण आजीविका मिशन के रूप में बिजली मीटर रीडिंग और बिल संग्रह में महिलाओं को शामिल किया गया है। बिजली सखियों के रूप डब्लूएससी के सदस्यों ने अब तक 175.5 करोड रुपए से अधिक बिजली बिलों का संग्रह पूरा किया है, जो सराहनीय है। इससे उनकी 2.39 करोड रुपए की कमाई हुई है। क्षेत्रीय मंत्री कैप्टन विकास सिंह ने बताया कि महिलाओं में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए स्टैंड अप इंडिया के माध्यम से 2.300 करोड रुपए का ऋण वितरित किया गया है। बलहा विधायक सरोज सोनकर ने भी संबोधित किया।एनजीओ में निबिया बेगमपुर की दीदी रामप्यारी ने अपने जैविक खेती के अनुभव का सम्मेलन में सभी के बीच साझा किया। इस दौरान उर्मिला शुक्ला, महामंत्री उपाध्यक्ष रण विजय सिंह, दीपक सत्या, सुषमा चौधरी, जिला मंत्री डॉ. डिंपल जैन, हेमा निगम, देवेंन्द्र कुमार मिश्र, सुनीता श्रीवास्तव, महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष प्रथम मंजुला पाठक, संतोष पांडे, मिना पांडेय, मोहनी सोनी आदि मौजूद रहीं।

रामराज्य की परिकल्पना साकार हो रही है –इन्द्रेश

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या । महामण्डलेश्वर स्वामी प्रखर महाराज के सानिध्य एवं श्रीमज्जाद्‌गुरु रामानुजाचार्य डॉ० स्वामी राघवाचार्य महाराज के संयोजकत्व में गोला घाट, सरयू तट पर चल रहे श्री लक्षचण्डी महायज्ञ, श्री लक्षगणपति महायज्ञ एवं श्री राम यज्ञ में 1700 कर्मनिष्ठ विद्वान ब्राह्मणों के द्वारा डी० सज्जन प्रसाद तिवारी डॉयरेक्टर, प्रखर परोपकार मिशन संस्कृत एकेडमी के निर्देशन में दुर्गासप्तशती पाठ एवं गणपत्यथर्वशीर्ष पाठ के साथ 100 कुण्डीय यज्ञशाला में यज्ञाचार्य वेदमूर्ति पं० लक्ष्मीकान्त दीक्षित के आचार्यत्व में प्रातः के समय पूजन एवं सायं के समय हवन कुण्ड में आहुतियों दी जा रही हैं।

महायज्ञ के ज्ञान मण्डपम् में आज सन्त सम्मेलन के दौरान उपस्थित वक्ताओं ने मनुष्य के आहार, विहार, व्यवहार एवं आचार के विषय पर प्रकाश डाला। वक्ताओं में श्री प्रखर परोपकार मिशन ट्रस्ट की संयुक्त सचिव, माता चिदानन्दमयी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि वर्तमान समय में हमारी युवा पीढ़ी भ्रमित है, उनको इस बात का कोई बोध ही नहीं है कि अपने जीवन में किस तरह का आहार लेना चाहिए, किस

तरह का व्यवहार करना चाहिए एवं किस तरह का आचरण करना चाहिए। उन्होंने बताया कि ने कहा कि हमारे द्वारा किया गया आहार ही हमारे उत्थान एवं पतन का कारण है, अतः हमें अपने आहार को शुद्ध करना चाहिए, यदि हमारा आहार शुद्ध होगा तो हमारा व्यवहार, आचरण भी शुद्ध होगा। सोमवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इन्द्रेश जी ने भी महायज्ञ का दर्शन एवं पूज्य महाराजश्री का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि पूज्य स्वामी प्रखर महाराज एवं डॉ० स्वामी राघवाचार्य जी महाराज के कारण ही आज हम सब राम राज्य की कल्पना को साकार होते हुए देख रहे हैं। पूज्य सन्तों के कारण ही भगवान श्री राम लला सरकार को 500 वर्षों के बड़े कठिन संघर्ष के उपरान्त अपना रामलला को जन्म स्थान में देख रहे हैं। इस अवसर पर तिलकराज शर्मा, आरती शर्मा, राजेश अग्रवाल, दर्शन गुप्ता, कमल किशोर चौधरी, प्रचीन नेमानी, मनीष गर्ग, नरेन्द्र शर्मा, सुषमा अग्रवाल, सोनिया चौधरी, विजय कानोडिया, डूंगर सिंह राठौर, रघुनाथ सिंह, राम मोहन बेड़िया, अर्पित गर्ग, राजीव अग्रवाल, अनिल गर्ग, किरण गर्ग, राजकुमार जिन्दल, अभिषेक गुप्ता, डॉ० जी०सी० पाठक, सुनील नेमानी, सर्वेश गुप्ता, मनोज भदौरिया, राघवेन्द्र मिश्र, सिब्बू मिश्र, दिनेश मिश्रा, सीताराम बडोनी आदि भक्तजन उपस्थित रहे।

दो लाख लोगों को परिवहन निगम बस की सुविधा उपलब्ध नहीं

संवाददाता—बलरामपुर। रेहरा बाजार ब्लाक में यात्रियों का आवागमन डग्गामार वाहनों पर निर्भर है। दो लाख लोगों को परिवहन निगम बस की सुविधा उपलब्ध नहीं है। यात्रियों को मंजिल तक पहुंचने के लिए मुह मांगा किराया अदा करना पड़ता है। क्षेत्र में परिवहन निगम बसों का संचालन नहीं हो रहा है। प्राइवेट बसों व अन्य वाहनों में यात्रियों को भूसे की तरह भरा जाता है। ओवर लोडिंग के चलते वाहनों के पलटने की संभावना अधिक रहती है। परिवहन निगम बसों को चलाने के लिए डेढ़ दशक पुरानी मांग अभी तक पूरी नहीं हो सकी है। सादुल्लाह नगर से जिला मुख्यालय तक पहुंचने में पांच घंटे का समय लग जाता है।

रेहरा बाजार ब्लाक में कुल 81 ग्राम पंचायते हैं। जिनकी आवादी करीब तीन लाख है। सादुल्लाह नगर से बलरामपुर मुख्यालय की दूरी लगभग 60 किलोमीटर है। मुख्यालय के लिए कोई सीधी बस सेवा नहीं है। सादुल्लाह नगर क्षेत्र के 50 गांव के लोगों को आवागमन की समुचित सुविधा उपलब्ध नहीं हो पा रही है। सादुल्लाह नगर से उतरौला के लिए चार प्राइवेट बसें चलती हैं। यात्री अगर कम हैं तो बस का संचालन नहीं होता। लोग प्राइवेट वाहनों से रेहरा बाजार तक जाते हैं। वहां से उतरौला के लिए दूसरा वाहन ढूंढना पड़ता है। अयोध्या, लखनऊ व कानपुर जाने के लिए यात्रियों को काफी दिक्कत उठानी पड़ती है। क्षेत्र के करीब पांच हजार लोग प्रतिदिन प्राइवेट बसों व डग्गामार वाहनों से यात्रा करने को विवश हैं। क्षेत्र वासियों का कहना है कि आपत स्थिति में यात्रा करना मुश्किल होता है। प्राइवेट वाहन संचालक गाड़ी फुल होने पर ही आगे बढ़ते हैं। दो लोगों के बैठने की सीट पर चार लोगों को बैठाया जाता है। क्षेत्र में एआरटीओ अथवा अन्य अधिकारी वाहनों की जांच करने नहीं आते। पुलिस भी सबकुछ जानकार अंजान बनी हुई है। लोडिंग नहीं बन्द हुई तो किसी दिन बड़ा हादशा हो सकता है। साथ ही मनमाना किराया वसूली बंद होनी चाहिए। परिवहन निगम की बस संचालित करके लोगों की मुश्किलें कम की जा सकती हैं। राजेन्द्र सिंह बताते हैं कि लगभग पांच साल पहले परिवहन निगम की दो बसों संचालन शुरू हुआ था। उनकी मुश्किलें कम हुई थीं, लेकिन अचानक बसों का संचालन बन्द कर दिया गया। डग्गामार वाहन उनसे मुंह मांगा किराया वसूलते हैं। राघवराम ने बताया कि रेहरा बाजार ब्लाक में यातायात सुविधाओं का अभाव है। उन्हें आए दिन आवश्यक कार्य से बलरामपुर जाना पड़ता है। साधन के अभाव में उन्हें कई—कई घंटे इंतजार करना पड़ता है। प्राइवेट जीप में क्षमता से अधिक सवारियां को बैठाई जाती हैं। कौशर माबूदी ने बताया कि सरकारी बस की सुविधा न होने से उन्हें काफी दिक्कत हो रही है। उन्हें हर तीसरे दिन उतरौला जाना पड़ता है। वाहन न मिलने पर काफी दिक्कत होती है। विश्वनाथ मिश्र कहते हैं कि सरकार को परिवहन निगम के संचालन बसों का दायरा बढ़ाना चाहिए। उनको यात्रा के दौरान काफी दिक्कत होती है। वाहन के इंतजार में बैठने के लिए कोई ठौर नहीं है। पीने के पानी का समुचित इंतजाम भी नहीं है। राम प्रताप वर्मा, विधायक उतरौला ने कहा कि सीएम को पत्र देकर आम जन की समस्या से अवगत कराया गया है। उम्मीद है कि परिवहन निगम बसों का संचालन शीघ्र ही शुरू होगा। दो बसों का संचालन शुरू कराया गया था। बीच में कुछ अवरोध आने पर दिक्कत बढ़ी है। समस्या का समाधान कराया जाएगा।

रोशनी से जगमगाते रहे कब्रगाह, पूर्वजों मगफिरत की मांगीं दुआएं

संवाददाता—कुशीनगर। शब—ए—बारात के मौके पर रविवार की रात घर से लेकर कब्रिस्तान भी रोशनी में जगमगाते रहे। मुस्लिम समाज के लोगों ने अपने पूर्वजों की मजार पर सजदा किया और परिवार व मुल्क की खुशहाली की दुआएं मांगी। लोगों ने अपने पूर्वजों व रिश्तेदारों की कब्रों व मजारों पर फातिहा पढ़ा और दुआएं मांगी। पडरौना नगर सहित सिधुआ स्थान, बसहिया, बनबीरपुर, बडहरागंज, मिश्रौली बाजार, खिरिया टोला, जंगल खिरकिया, जंगल अमवा, जंगल बेलवा, जंगल सिंगापट्टी आदि गांवों में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अपने अपने गांव की मस्जिदों में नमाज पढ़ी और कुरान की तिलावत कर इबादत की। अपने गांव के कब्रिस्तानों में जाकर फातिहा पढ़ अपने पूर्वजों की मगफिरत के लिए दुआ मांगी। कुबेरस्थान संवाद के अनुसार बतरौली बाजार, कल्याण छापर, इन्द्रसेनवा, फागुपुर विशुनपुरा, गंगौली, भटवलिया, धरनी छापर, सखवनिया, शिवपुर डीह, बढ़वलिया, पिपरासी, सरेया, गांगरानी, सिकटा, प्रधान पट्टी, पिपरा जटामपुर, परसौनी, अमवा बुजुर्ग आदि गांवों में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने शब—ए—बारात के मौके पर रविवार की रात खुदा की इबादत और अपने गुनाहों से मगफिरत की दुआओं में गुजारी। इस मौके पर मदरसा मोआज बिन जबल के मौलाना सरफराज अहमद कासमी ने बताया कि शाबान इस्लामी साल का आठवां महीना है। अल्लाह के प्यारे रसूल फरमाते हैं, शाबान मेरा महीना है। रज्जब अल्लाह का महीना है और रमजान मेरी उम्मत का महीना है। शाबान गुनाहों को मिटाने वाला और रमजान पाक करने वाला महीना है। अल्लाह के रसूल रमजान के बाद सबसे ज्यादा रोजे शाबान महीने में रखा करते थे।

सड़क जाम कर किसानों ने दिया धरना

संवाददाता—श्रावस्ती। विभिन्न मांगों को लेकर किसान संगठन लगतार आंदोलन कर रहा है। प्रदेशीय आह्वान पर श्रावस्ती में भी किसानों ने सड़क जाम कर सोमवार को धरना प्रदर्शन किया। इससे सड़क पर लोगों का आवागमन प्रभावित हुआ।

संयुक्त किसान मोर्चा यूनियन की तरफ से सोमवार को भिनगा बहराइच मार्ग को जाम कर धरना शुरू किया। इस दौरान एक तरफ की सड़क पर दिकौली मोड़ से लेकर रतनापुर तक सैकड़ों ट्रैक्टर ट्रालियों को लाकर खड़ा कर दिया। साथ ही किसान सड़क पर धरने पर बैठ गए। इस दौरान अपनी मांगों को लेकर किसानों ने आवाज बुलंद की। जिलाध्यक्ष अजय कुमार वर्मा ने बताया कि किसान लगातार अपनी मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। लेकिन सरकार किसानों की मांग को लेकर गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि मंगलवार तक हमारा धरना जारी रहेगा और सभी ट्रैक्टर ट्राली सड़क पर ही खड़े रहेंगे। उन्होंने कहा कि किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत का निर्देश है कि सरकार व किसानों के बीच वार्ता होगी। यदि वार्ता सफल नहीं हुई तो श्रावस्ती से संगठन के लोग अपने ट्रैक्टर ट्राली के साथ दिल्ली के लिए रवाना होंगे। सरकार को किसानों की मांगों को पूरा करना ही होगा। ऐसा न होने पर किसानों का आन्दोलन जारी रहेगा। इस मौके पर पवन कुमार वर्मा समेत सैकड़ा किसान धरने में शामिल हे।

अपहरण का आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता—श्रावस्ती। सिरसिया थाने में एक व्यक्ति की तहरीर पर अपहरण का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। सोमवार को पुलिस ने अपहृता को शकुशल बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। सिरसिया थाना प्रभारी निरीक्षक भानु प्रताप सिंह टीम के साथ सोमवार को क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे। इस दौरान पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर भिनगा लक्ष्मनपुर मार्ग से अपहृता को शकुशल बरामद करते हुए आरोपी सोनू प्रजापति पुत्र धनीराम प्रजापति निवासी दलपतिपुर थाना ललिया जनपद बलरामपुर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को थाने लाकर जेल भेज दिया गया। गिरफ्तारी टीम में प्रभारी निरीक्षक के साथ उपनिरीक्षक राम बहादुर यादव, मुख्य आरक्षी गिरिजेश यादव व महिला आरक्षी काजल शामिल रही।

स्कूल बच्चों से भरी टैंपो को ट्रक ने मारी टक्कर, सात बच्चे घायल

संवाददाता–बस्ती। टेंपो चालक शहजाद पुत्र सुलेमान निवासी ग्राम खम्हरिया थाना छावनी ने बताया कि वह बच्चों को लेकर सड़क के किनारे पहुंचा ही था कि तभी पीछे से आ रही ट्रक ने टेंपो में ठोकर मार दी। दुर्घटना में छात्र नैतिक गुप्ता का पैर टूट गया है। दुर्घटना के बाद चालक, ट्रक लेकर फरार हो गया। हाईवे पर छावनी थाना क्षेत्र के बबुरहवा चौराहे के पास सोमवार की सुबह आठ बजे एक अनियंत्रित ट्रक ने स्कूली बच्चों से भरे एक टेंपो को ठोकर मार दी, जिससे टेंपो पलट गई। दुर्घटना में सात बच्चे घायल हो गए। उन्हें सीएचसी हर्रैया भिजवाया गया,जहां से एक की हालत गंभीर देख उसे जिला अस्पताल बस्ती रेफर कर दिया गया। छावनी थाना क्षेत्र के सेवरा लाला गांव से प्रतिदिन की भांति सोमवार की सुबह भी बच्चों को लिटिल फ्लावर स्कूल हर्रैया ले जाने वाली टेंपो गांव पहुंची। वह बच्चों को लेकर हाईवे पर बबुरहवा गांव के पास पहुंची ही थी कि तभी अयोध्या की तरफ से आ रहे एक ट्रक ने टेंपो में ठोकर मार दी।इससे हरैया की तरफ जा रहे बाइक सवार लालजी पांडेय निवासी मल्लूपुर की बाइक से टकराते हुए टेंपो उनके ऊपर पलट गई।

दुर्घटना में स्कूली बच्चों के साथ ही वह भी गंभीर से घायल हो गए। घायल स्कूली बच्चों में आराध्य शुक्ल, अखिल शुक्ल निवासी जितियापुर, अभिश्री शुक्ला, नैतिक गुप्ता, लक्ष्य प्रताप सिंह, श्रेयांस व अनन्या निवासीगण सेवरा लाला घायल हो गए। टेंपो चालक शहजाद पुत्र सुलेमान निवासी ग्राम खम्हरिया थाना छावनी ने बताया कि वह बच्चों को लेकर सड़क के किनारे पहुंचा ही था कि तभी पीछे से आ रही ट्रक ने टेंपो में ठोकर मार दी। दुर्घटना में छात्र नैतिक गुप्ता का पैर टूट गया है। दुर्घटना के बाद चालक, ट्रक लेकर फरार हो गया।

थानाध्यक्ष छावनी सुभाष मौर्य ने बताया कि सभी घायलों को हर्रैया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया गया, वहां से एक को छात्र को जिला चिकित्सालय बस्ती रेफर किया गया है। ट्रक के बारे में पता लगाया जा रहा है।

घर में लगी भीषण आग, 30 बकरियां जिंदा जलीं

संवाददाता–बस्ती। आधी रात घर में आग लगने से 30 बकरियों की जिंदा जलकर मौत हो गई। लोगों ने आग पर काबू पाने के लिए घंटों मशक्कत की लेकिन जब तक आग बुझी 30 बकरियों समेत घर के सारे सामान जलकर खाक हो चुके थे। सूचना के बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और घंटों की जद्दोजहद के बाद आग को बुझाया। घर मालिकों ने गांव के ही कुछ लोगों पर आग लगाने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले को संज्ञान में लेकर जांच कर रही है। गौर थाना क्षेत्र के कोठवा गांव में रुवाब अली के घर में आधी रात आग लग गई। घटना के वक्त रुवाब अली और उनका परिवार सोया हुआ था। आग की लपटें देख कर घरवाले घबरा गए और बचाने की गुहार लगाने लगे। आसपास के लोग जबतक मौके पर पहुंचते आग की लपटें चारों तरफ फैल चुकी थीं। जब तक लोग कुछ समझ पाते तब तक आग ने रुवाब अली की घर के साथ साथ बगल के साबिर, मुसाफिर, जागेश्वर के घरों को भी चपेट में ले लिया।

आग इतना विकराल था कि इसकी चपेट में आने से रुवाब अली की 25 बकरियां, एक बाइक और घर में मौजूद सामान जल कर खाक हो गए। इसके अलावा साबिर अली के घर में बंधी 5 बकरियां भी कपड़ा आग की चपेट में आ गईं। ग्रामीणों ने आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को दी। जब तक फायर ब्रिगेड घटनास्थल पर पहुंचती तब तक सबकुछ जलकर राख हो चुका था। बाद में ग्रामीणों के सहयोग और फायर ब्रिगेड की मदद से घंटे भर बाद आग पर काबू पाया गया।

मामले की जानकारी देते हुए सीओ हर्रैया अशोक मिश्रा मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवारों से आग लगने के कारणों की जानकारी ली। पीड़ित रुवाब अली ने पुलिस को तहरीर देते हुए गांव के ही कुछ लोगों पर आरोप लगाते हुए कहा कि शनिवार को उनका आरोपियों से विवाद हुआ था। रुवाब ने आरोप लगाया कि उन्होंने ही छप्पर के मकान में आग लगाया है। चौकी प्रभारी बभनान धर्मेंद्र तिवारी ने जानकारी दी कि पीड़ित गांव के लोगों पर छप्पर के मकान को आग लगाने का आरोप लगा रहे हैं। मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

अब रेलवे कर्मचारियों को खुद ही बताना होगा कि उन्हें क्यों दिया जाए सम्मान

संवाददाता–गोरखपुर। उत्कृष्ट काम करने वाले रेलकर्मियों–अधिकारियों को मिलने वाले महाप्रबंधक अवार्ड में अहम बदलाव किया गया है। 2025 से मिलने वाले अवार्ड में उत्कृष्ट रेलकर्मियों की सूची ब्रांच अफसर नहीं देंगे। अब खुद रेलकर्मियों को ही बताना होगा कि वे महाप्रबंधक अवार्ड के दावेदार हैं। उन्हें एचआरएमएस पोर्टल पर बताना होगा कि उन्होंने बीते साल में क्या बेहतर किया और क्यूं उन्हें यह सम्मान दिया जाए। यह व्यवस्था 2025 से लागू होगी। रेल प्रशासन का मानना है कि इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और अधिक से अधिक कर्मचारी अपनी दावेदारी करेंगे और अपनी बेहतर चीजों को बता सकेंगे। एचआरएमएस से आने वाले दावों की रेल अफसर पुष्टि करेंगे और वरीयता के आधार पर अंतिम सूची फाइनल करेंगे। अभी तक पूरे जोन में अलग–अलग विभाग के ब्रांच अफसर या सुपरवाइजर ही कर्मचारियों का नाम तय करते आ रहे हैं। रेलवे द्वारा एक निर्धारित समय पर सभी के एचआरएमएस पर अलर्ट जाएगा। उसमें बताया जाएगा कि किस तारीख से किस तारीख के बीच वह अपनी दावेदारी कर सकते हैं। तारीख मिल जाने के बाद कर्मचारियों को विस्तार से जानकारी देनी होगी। जैसे किसी लोको पायलट ने ट्रैक पर कोई खतरा देख बिना किसी देरी करते हुए ट्रेन को आपात स्थिति में रोक दिया जिससे बड़ी दुर्घटना टल गई तो इस उपलब्धि को दिए गए कॉलम में तारीख के बताना होगा। कर्मचारियों–अधिकारियों को सम्मान पत्र के साथ मिलने वाला नकद रेल प्रशासन ने पहले ही हटा दिया है। नकद हटाए जाने के बाद ये नई व्यवस्था की गई है। दरअसल पहले रेलकर्मियों को गोल्ड प्लेटेड मेडल, प्रमाण पत्र और 2000 से 3000 के बीच नकदी देने की व्यवस्था थी। पंकज कुमार सिंह, सीपीआरओ ने कहा कि महाप्रबंधक अवार्ड में 2025 से अहम बदलाव किया गया है। रेलकर्मियों–अधिकारियों को एचआरएमएस पर खुद ही बताना होगा कि वे अवार्ड के लिए दावेदार हैं। एचआरएमएस पर पूरी जानकारी उपलब्धि के साथ बतानी होगी। उसी के आधार पर अंतिम चयन किया जाएगा।

शाम को जाम से कराह उठाता है शहर

संवाददाता–संतकबीरनगर। खलीलाबाद जिला मुख्यालय समस्याओं के भवरजाल से उबर नहीं पा रहा है। शहर में पार्किंग का कोई इंतजाम नहीं है। दूसरी ओर फुटपाथ तक दुकानें लग जाती हैं। फुटपाथ तक दुकानें लगने की वजह से वाहनों की पार्किंग सड़कों तक होती है। इसकी वजह से सड़कें और सकरी हो जाती हैं। शाम होते ही शहर जाम से कराह उठता है। इसका खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ता है। जिला मुख्यालय को पुराना शहर खलीलाबाद के नाम से जाना जाता है। शहर होने की वजह से एचआरपीजी कालेज से डीघा बाईपास तक लगभग साढ़े तीन किमी के इस शहर में समान को सड़कों पर दिखाने की संस्कृति पनप चुकी है। यही कारण है कि सुबह नौ बजते –बजते दुकानदार दुकान से समानों को निकालकर फुटपाथ तक सजा देते हैं और रात नौ बजे के बाद इसे घर के अंदर करते हैं। यहां के व्यापारियों का मानना है कि जो जितना दिखता है वह उतना बिकता है। यही कारण है कि सारे सामान को दुकान से बाहर निकाल कर फुटपाथ तक सजा देते हैं। जिस फुटपाथ को आम आदमियों को चलने के लिए बनाया गया है, उस पर दुकानें सज जाने के बाद पैदल चलने वालों के लिए जगह ही समाप्त हो जाती है और वाहनों की पार्किंग सड़कों पर होती है।

तुलसीपुर में सड़क जाम, हंगामा करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता–संतकबीरनगर। मेंहदावल–खलीलाबाद मार्ग पर तुलसीपुर में रविवार को सड़क जाम व हंगामा करने वालों के खिलाफ सोमवार को पुलिस एक्शन मोड में रही। एसपी के निर्देश पर हंगामे में शामिल लोगों को चिन्हित किया। सभासद उत्तरा निषाद समेत 22 नामजद तथा 60 अज्ञात के खिलाफ समाज की शांतिभंग करने, अपराधिक बल का प्रयोग करने, कार्रवाई में बाधा डालने समेत कई गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस की कार्रवाई से पूरे दिन हड़कंप मचा रहा। वहीं तुलसीपुर मोहल्ले में शान्ति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात रहे।

कस्बे के तुलसीपुर वार्ड निवासी रामानंद साहनी व भाजपा मंडल अध्यक्ष गंगाराम निषाद के बीच विवाद हो गया था। विवाद के दौरान हुई मारपीट में गंगाराम व उनके परिजनों ने रामानंद को मारपीट कर बुरी तरह से घायल कर दिया था। जिनकी गोरखपुर मेडिकल कालेज में इलाज के दौरान 22– 23 फरवरी की रात मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही मोहल्ले में तनाव की स्थिति बन गई, बड़ी संख्या में स्वजन व समर्थक इकट्ठा होने लगे। 23 फरवरी की शाम को पोस्टमार्टम के बाद शव तुलसीपुर पहुंचा तो सभी ने देर होने का बहाना बनाकर दाह–संस्कार नहीं किया। बीते शनिवार को आक्रोशित लोगों का गुस्सा भड़क गया। बड़ी संख्या में महिलाओं के साथ लोगों ने शव को मेंहदावल–खलीलाबाद मार्ग पर तुलसीपुर मोहल्ले के सामने रखकर सड़क जाम कर दिया। मौके पर मौजूद पुलिस बल द्वारा जब उन्हें समझा–बुझाकर जाम हटवाने का प्रयास किया गया तो सभी उग्र हो गए।

पुलिस से दुर्व्यवहार करते हुए हाथ में ईंट पत्थर लेकर पुलिस कर्मियों से विवाद शुरू कर दिया। हालांकि पुलिस ने किसी तरह से जाम का जल्द ही हटवा दिया। शनिवार को देर शाम शव का दाह–संस्कार हुआ, तब जाकर मामला शांत हुआ। इस दौरान पुलिस ने पूरी घटना का वीडियो बनाया। पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता को वीडियो भेजते हुए मौके पर मौजूद अपर पुलिस अधीक्षक, सीओ व प्रभारी निरीक्षक रामकृष्ण मिश्र ने घटना के बारे में विस्तार से जानकारी दिया। देर रात पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस ने तुलसीपुर वार्ड की सभासद उत्तरा निषाद उनके भाई देवव्रत निषाद, सुनैना, अखिलेश गौतम, ऊषा, राजकुमारी, रेखा, चांदमती, हेमवती, राजकुमार, रामरीत, शकुंतला, अर्जुन, अनीता, पूनम, प्रेम, राजकुमारी दुर्गावती, राम प्रसाद निवासीगण तुलसीपुर टोला अमिलहवा को चिन्हित कर कई गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। इसके अलवा 60 अज्ञात के खिलाफ इन्ही धाराओं में प्रभारी निरीक्षक रामकृष्ण मिश्र की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। इस बारे में पुलिस क्षेत्राधिकारी राघवेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि प्रभारी निरीक्षक रामकृष्ण मिश्र की तहरीर पर सड़क जाम व हंगामा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई किया गया है। वार्ड की सभासद उत्तरा निषाद समेत 22 नामजद 60 अज्ञात के नाम सामने आए हैं। सभी के खिलाफ समाज की शांतिभंग करने, आपराधिक बल का प्रयोग करने, कार्रवाई में बाधा डालने, 7 सीएल एक्ट समेत कई गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। आरोपितों की धर–पकड़ के लिए टीम गठित की गई है। जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

श्रीराम–सीता माता के साथ नंदादेवी के लगेंगे जागर

संवाददाता–अयोध्या। जागर गायिका पद्मश्री बसंती बिष्ट चार मार्च को अयोध्या में नंदा देवी के साथ प्रभु श्रीराम, माता सीता के जागरों की प्रस्तुति देंगी। श्रीराम मंदिर बनने के बाद अयोध्या में प्रस्तुति देने वाली बसंती बिष्ट पहली उत्तराखंडी लोक गायिका होंगी। श्री राम मंदिर ट्रस्ट ने देशभर के पद्मश्री कलाकारों को अयोध्या में अपनी प्रस्तुतियां देने के लिए आमंत्रित किया है। बसंती बिष्ट ने 'हिन्दुस्तान' को बताया कि ट्रस्ट की ओर से उन्हें कार्यक्रम की प्रस्तुति का आमंत्रण मिल गया है। यह उनका सौभाग्य है कि ट्रस्ट की ओर से उन्हें आमंत्रित किया गया है। उनके भी मन में अन्य लोगों की तरह राम मंदिर दर्शन की उत्कंठा थी। पांच से छह सदस्यीय उनके दल में उत्तराखंड के प्रमुख हुड़का वादक रामचरण जुयाल भी होंगे। जागर गायन में हुड़का एक अहम वाद्ययंत्र है। बसंती बिष्ट ने बताया कि उत्तराखंड में नंदा के जागरों के साथ ही राम–सीता के प्रसंगों से जुड़े अनेक जागर प्रचलित हैं। वह अयोध्या में इन्हीं जागरों की प्रस्तुति देंगी। इन जागरों में भगवान विष्णु के प्रभु राम के रूप में जन्म लेने का प्रसंग और सीता माता का धरती से प्रकट होने का प्रसंग प्रमुख है। जागरों के साथ ही वह आंछरी–ऐड़ी नृत्य का भी प्रदर्शन करेंगी। जागर गायिका बसंती बिष्ट के अनुसार, मान्यता है कि जनकपुरी में जब धरती से सीता माता का प्रकाट्य हुई तो घनघोर बारिश के बीच उनके साथ कई आंछरियां (परी) भी आती हैं। वह सीता से कहती हैं कि आप तो राजघराने जा रही हैं, लेकिन हम कहां जाएंगे? तो सीता माता सभी को हिमालय जाने को कहती हैं कि वहां पहाड़वासी तुम्हारी पूजा करेंगे। हुआ भी ऐसा ही, उत्तराखंड के उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में आंछरियों का वास माना जाता है और पहाड़ों में आज भी आंछरी पूजी जाती हैं। उत्तराखंड के गढ़वाल और कुमाऊं में प्रचलित पूजा पद्धतियों एवं लोकगीत शैली में 'जागर' भी एक है। जागर गायन एक ऐसा तरीका है, जिसमें लोक देवताओं का आह्वान किया जाता है। उनकी वीरता का बखान कर जागर में देवताओं से जुड़े प्रसंग सुनाए जाते हैं। जागर का अर्थ जगाना होता है। जागर के माध्यम से देवी–देवताओं से अनिष्ट से रक्षा और सुख–शांति की कामना की जाती है।

बरदहिया बाजार में दुकान से दो लाख की चोरी, मुकदमा दर्ज

संवाददाता–संतकबीरनगर। बरदहिया बाजार में चोरी थमने का नाम नही ले रही है। बीती रात एक दुकान से लाखों रुपये चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। पुलिस ने उक्त प्रकरण में मुकदमा दर्ज कर दो संदिग्धों को उठाया है।

कोतवाली में दिए गए तहरीर में मोहम्मद सैफ पुत्र साहेब आलम दलेल पुरवा कानपुर ने लिखा है कि वह कई वर्ष से इस बाजार में कपड़े का कारोबार करते थे । इसके लिए वह एक दुकान भी किराए पर ले रखे हैं। बीती रात वह दुकानदारी करके रात करीब तीन बजे के बाद दुकान को बंद कर दिए। पूरे दिन व रात में किए गए सामानों की बिक्री को उन्होंने गल्ला में रख दिया। इसमें करीब दो लाख रुपये व मोबाइल रहा। नीद लगने के बाद वह अपने कर्मियों के साथ वहीं पर सो गए। सुबह जब नीद खुली तो पता चला कि दुकान का गल्ला समेत अन्य सामान गायब हो गया। इस घटना की जानकारी उन्होंने दुकान के अगल– बगल के लोगों को दी । जिसपर अन्य दुकानों पर लगे सीसीटीवी के फुटेज को उन लोगों ने दिखा तो कुछ लोग सामान ले जाते हुए दिखे । पुलिस ने पूरे प्रकरण की जानकारी करने के बाद मुकदमा पंजीकृत करके जांच कर रही है । वहीं फुटेज के आधार पर दो संदिग्धों को कोतवाली पुलिस पूछताछ करने के लिए उठाया है। कोतवाली प्रभारी बृजेंद्र पटेल ने बताया कि जल्द ही मामले का पर्दाफास हो जाएगा।

हैंसर के सिरसी में स्थापित होगा ग्रामीण स्पोर्टस स्टेडियम

संवाददाता–संतकबीरनगर। खेल में कॅरियर बनाने का सपना देख रहे युवाओं के लिए खुशखबरी है। धनघटा क्षेत्र के सिरसी गांव में पांच करोड़ की लागत से आधुनिक सुविधायुक्त स्टेडियम के निर्माण होगा। इसके लिए शासन से मंजूरी मिल चुकी है। उम्मीद है कि जल्द ही स्टेडियम का निर्माण शुरु हो जाएगा।

जिले में अभी तक खलीलाबाद में ही स्टेडियम है, लेकिन यहां भी सुविधाओं के नाम पर कुछ नहीं है। काफी दिनों से धनघटा क्षेत्र में स्टेडियम के निर्माण की मांग हो रही थी। डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने इस पर पहल की और शासन में स्टेडियम निर्माण के लिए पत्रावली भेजी। स्टेडियम में सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक के निर्माण, सिंथेटिक हॉकी फील्ड विद लाइटिंग, सिंथेटिक टर्फ फुटबाल ग्राउंड विद रनिंग ट्रैक एंड लाइटिंग, बहुद्देशीय हाल, बैडमिंटन, वॉलीबाल, जूडो, रेसलिंग, हैंडबाल, कबड्डी आदि खेलों के लिए फील्ड के साथ ही स्वीमिंग पुल का निर्माण कराया जाएगा। डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि स्टेडियम के लिए मंजूरी मिल गई है। सिरसी में स्टेडियम बनाया जाना है। इसका आकलन कराया जा रहा है। अमर राय ने कहा कि विकास के क्षेत्र में यह इलाका काफी पिछड़ा है। यहां के युवाओं को खेलकूद के संसाधन नहीं मिल पाते हैं। इस वजह से युवाओं की प्रतिभा दबी रह जाती है। सिरसी में स्टेडियम बनने से इस इलाके के युवाओं को खेलकूद में सुविधा होगी।

संदीप यादव ने कहा कि सिरसी में स्टेडियम बनाए जाने से खिलाड़ियों को लाभ मिलेगा। अति पिछड़े क्षेत्र में खेल संधाधनों के अभाव से खेल में कॅरियर बनाने की चाह रखने वाले युवा काफी परेशान होते थे। अभी जनपद मुख्यालय पर स्टेडियम तो है, लेकिन दूर होने के कारण युवाओं को लाभ नहीं मिल पाता है। महेंद्र सिंह तंवर, डीएम ने कहा कि सिरसी में पांच करोड़ की लागत से स्टेडियम का निर्माण कराया जाना है। इसके लिए उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ लिमिटेड को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है, जल्द ही स्टेडियम का निर्माण शुरू हो जाएगा।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम रामावती देवी पत्नी कृष्ण चन्द्र है। मैं ग्राम– गोपिया पोस्ट– कसैला मरवटिया थाना– कोतवाली तहसील व जिला बस्ती की निवासिनी हूं। आधारकार्ड में मेरा नाम त्रुटिवश रामवती हो गया है जो गलत है। इसे रामावती देवी किया जाय।

कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिट्स गोरखपुर मण्डल गोरखपुर।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री रामदीन यादव पुत्र श्री विदुर यादव द्वारा प्रबंधक की हैसियत से संस्था विदुर श्याम शिक्षा समिति, ग्राम–मुडिलवा पो0– वैरीखाला, तहसील– हर्रैया, जनपद बस्ती के नवीनीकरण हेतु निर्धारित शुल्क व प्रपत्र प्रस्तुत किये गये है। प्राप्त अभिलेख के अनुसार सर्व श्री 01. श्री उदय शंकर पाण्डेय मंत्री 2 श्री ज्वाला प्रसाद पाण्डेय– संयुक्त मंत्री 3. श्री श्याम लाल जायसवाल सदस्य 4. श्री फतेह मुहम्मद– सदस्य 5. श्री शब्बीर हुसेन सदस्य 6. श्री राम कुशल चौधरी 7. श्री मोहम्मद मोबीन– सदस्य 8. श्री मसीउद्दीन सदस्य 9. श्री मोहम्मद असलम सदस्य को मृतक दर्शाया गया है व श्री उदयराज यादव– उपप्रबंधक, पृथ्वीनाथ गुप्ता सदस्य, विश्वनाथ पाण्डेय सदस्य को अपने अपने पद से हटाया जाना व नये सदस्य के रूप में 1. संदीप कुमार मिश्र 2. सचेन्द्र कुमार मिश्र 3. अंबिका प्रसाद शुक्ल 4. दिनेश कुमार पाण्डेय 5. स्वामी नाथ पाण्डेय 6. संजय कुमार 7. नसीर अहमद फत्तेहमोहम्मद सलमानी 8. हरिश्चन्द्र पाण्डेय 9. नितेश कुमार पाण्डेय 10. कुसुमलता 11. हरिओम मिश्र दर्शित है।

अतः यदि किसी व्यक्ति को उक्त संस्था के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति हो तो वह (अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा और गुण–दोष के आधार पर अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जायेगी।

आज्ञा से

(बी0के0 सिंह)

सहायक रजिस्ट्रार गोरखपुर मण्डल गोरखपुर ।

कबीर साहित्य शिरोमणि और हिन्दी रक्षक से सम्मानित हुए सुरेश लाल

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। राजकीय हाई स्कूल जहांगीरगंज के प्रधानाचार्य एवं शिवपुर गयासपुर निवासी सुरेश लाल श्रीवास्तव को एक बार फिर सम्मानित किया गया। रेडिएंट टैलेंट बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने प्राइड ऑफ भारत अवार्ड, वार्षी वेलनेस फॉउंडेशन की ओर से विश्व रत्न सम्मान एवं गोपाल किरण समाज सेवी संस्था ग्वालियर ने कबीर साहित्य शिरोमणि अचीवर्स अवार्ड 2024 तथा राष्ट्रीय हिन्दी रक्षक मंच इन्दौर मध्यप्रदेश ने उत्कृष्ट अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान 2024 से सम्मानित किया। राष्ट्रीय हिन्दी रक्षक मंच और दिव्योत्थान एजुकेशन एण्ड सोशल वेलफेयर सोसाइटी इन्दौर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित समारोह में संस्थापक अध्यक्ष डॉ पवन मकवाना और डॉ दीपमाला गुप्ता ने कहा कि सुरेश लाल श्रीवास्तव की ओर से शिक्षण तथा साहित्य साधना के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया जा रहा है।

यूपी के रेलवे स्टेशनो के नव निर्माण पर विपिन त्रिपाठी ने दी बधाई

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 41000 हजार करोड रुपए की 2000 से अधिक रेल परियोजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पण किया गया। उत्तर प्रदेश में 73 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास का शिलान्यास किया गया, साथ ही 267 रेल ओवर ब्रिज अंडरपास का शिलान्यास, उद्घाटन कर राष्ट्र को समर्पित किया गया। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ को विकसित विश्व स्तरीय गोमती नगर रेलवे स्टेशन का उद्घाटन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया, इस स्टेशन पर लिफ्ट एस्केलेटर और कोनकोर्स, विकलांग के लिए अलग से सुविधा जैसी विश्व स्तरीय यात्री सुविधा का विकास किया गया है। गोमती नगर स्टेशन को बनाने में कुल 377 करोड़ की लागत आई है। इसका निर्माण कार्य रेल भूमि विकास प्राधिकरण द्वारा किया गया है। लोकार्पण के अवसर पर देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह उपस्थिति रहे। यहां पर 25000 वर्ग फुट का एयर प्लाजा, 100: सीसीटीवी की निगरानी सहित अन्य सभी व्यवस्थाओं का इंतजाम किया गया है। गोमती नगर रेलवे स्टेशन के लोकार्पण के अवसर पर बस्ती से भाजपा नेता विपिन कुमार त्रिपाठी मौजूद रहे।

लगेगा रोजगार मेला, 3 कंपनियां देंगी 150 नौकरियां

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर मंडल के सहायक निदेशक सेवायोजन रास बिहारी चतुर्वेदी ने बताया, सेवायोजन कार्यालय की तरफ से एक दिन के रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है।

27 फरवरी को जिले में रोजगार मेला लगेगा। इस रोजगार मेले का आयोजन सेवायोजन कार्यालय में सुबह 10 बजे से किया जाएगा। इसमें मंडल के कौशल प्रशिक्षित 15 हजार युवाओं को प्रतिष्ठित कंपनियों में काम करने के लिए नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। इस आयोजन में 3 प्राइवेट कंपनियां 150 पदों पर नौकरियां देंगी। इसमें आवेदन के लिए उम्र सीमा 18–45 वर्ष रखी गई है। वहीं, शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल से ग्रेजुएशन तक टेक्निकल–नॉन टेक्निकल के पुरुष–महिला अभ्यार्थी इसमें शामिल हो सकेंगे। खास बात यह है कि इसमें आवेदन पूरी तरह निशुल्क है। वहीं, नौकरियों की सैलरी और भत्ते कंपनियां तय करेंगी।

गोरखपुर मंडल के सहायक निदेशक सेवायोजन रास बिहारी चतुर्वेदी ने बताया, सेवायोजन कार्यालय की तरफ से एक दिन के रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है। इसमें आवेदन के लिए इच्छुक अभ्यार्थी विभाग की वेबसाइट प्रतिभागी कंपनी में आवेदन कर सकते हैं।

ऑनलाइन आवेदन के बाद प्रतिभागियों को अपनी शैक्षिक योग्यता और बॉयोडाटा सहित 27 फरवरी की सुबह 10 बजे क्षेत्रिय सेवायोजन कार्यालय पहुंचना होगा। उन्होंने बताया, इस रोजगार मेला में शामिल होने वाले यात्रियों को यहां तक पहुंचने के लिए किसी तरह का यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा। बल्कि उन्हें अपनी व्यवस्थाओं से यहां पहुंचकर मेला में शामिल होना होगा।

एसएसपी ने 6 थानों पर इंचार्ज बदले

संवाददाता–गोरखपुर। एसएसपी ने बताया, थानों की लगातार समीक्षा की जा रही है। जिनके काम अच्छे हैं, उन्हें थानों पर तैनाती दी जा रही है। जबकि, लोग पुलिसकर्मी काम में लापरवाही बरत रहे हैं, उनसे थानों की कमान वापस लेकर दूसरों को मौका दिया जा रहा है।

एसएसपी गोरखपुर डॉक्टर गौरव ग्रोवर ने महकमे में एक बार फिर फेरबदल किया है, इसमें 9 थाना प्रभारी बदल दिए। 6 थानों पर नए थानेदारों की पोस्टिंग हुई है। इसमें महिला थाना भी शामिल है। 'च डॉ. गौरव ग्रोवर ने काम में लापरवाही करने वाले 3 थाना प्रभारियों से थानों की कमान छिन ली।

बारात गए युवक को लौटते समय मारी गोली, मौत

संवाददाता–अयोध्या। कैन्ट थाना क्षेत्र के मशीनिया गांव के पास बारात से लौट रहे युवक को अज्ञात बदमाशों ने पांच गोली मारी, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सुबह जब ग्रामीणों ने देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और घटना की जांच में जुट गई।

पूराकलन्दर थाना क्षेत्र के टोनिया गांव निवासी संतोष यादव 26 वर्षीय पुत्र रामवती यादव मिट्टी का कारोबार करता है। वह रविवार को एक बारात गया था। बारात से लगभग 12 बजे निकला और घर पर नहीं पहुंचा । सुबह देखा गया कि मशीनिया गांव के पास उसका शव और बाइक पड़ी है। जिसकी सूचना पुलिस को दी। कैंट पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा घटना के कारण की जांच में जुट गई।

अदालती नोटिस

इस्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं. 402 / 2023

कबूतरा उर्फ साबित्री–सायलान

1. कबूतरा उर्फ साबित्री उम्र लगभग 77 वर्ष पत्नी स्व0 देवतादीन 2. पवन कुमार उम्र लगभग 41 वर्ष 3. रंजीत कुमार उम्र लगभग 24 वर्ष पुत्रगण देवतादीन निवासीगण ग्राम फरेंदा सेंगर तप्पा खुरियार परगना नगर पूरब तहसील हर्रैया जिला बस्ती पो0 महुआ लखनपुर

तारीख पेशी 27–02–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 27–02–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई-मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com